व्यक्तिगत आदेश

बिशप

GARLAND F. BYERS, JR., J.D., D.D.

जातियों के लिए बिशप, प्रेरितिक आदेश के अधीन

कैसरिया फिलिप्पी, जहाँ पतरस ने यीशु को मसीह के रूप में स्वीकार किया, जहाँ हमारे प्रभु ने अपने चेलों को स्वर्ग के राज्य की कुँजियाँ दीं, और जहाँ उन्होंने पहली बार अपने चेलों को अपना क्रूस उठाकर अपने पीछे चलने के लिए बुलाया। मत्ती 16:13–24 (IRV)।

छायाचित्र: American Colony Photo Department, 1898 और 1914 के बीच। Library of Congress, G. Eric and Edith Matson Photograph Collection (सार्वजनिक डोमेन)।

"...यदि कोई मेरे पीछे आना चाहे, तो अपने आप से इन्कार करे और प्रतिदिन अपना क्रूस उठाए हुए मेरे पीछे हो ले।"

लूका 9:23 (IRV)

कलीसियाओं और अलग-अलग बिशपों में, और लौकिक संगठनों में भी, यह एक सामान्य प्रथा है कि वे उस बात को प्रस्तुत करें जिसे लौकिक संसार "मिशन वक्तव्य" कहता है। मैं इस प्रथा को जानकारी देने वाली और सहायक, दोनों मानता हूँ। फिर भी, सेवकाई के संदर्भ में, मेरा विश्वास है कि इसे व्यक्तिगत आदेश वक्तव्य कहना अधिक उचित है। सुसमाचार का प्रसार और स्वर्ग के राज्य का कार्य लाभ के लिए चलने वाले व्यवसाय से, यहाँ तक कि लौकिक संसार के किसी गैर-लाभकारी संगठन से भी, बहुत भिन्न हैं। यद्यपि हम सुविधा के कारण कलीसिया में कुछ लौकिक प्रथाएँ अपना लेते हैं, फिर भी कुछ बातों को अलग रखा जाना चाहिए, और इस प्रकार उन्हें पवित्र होना चाहिए।

अब मैं वह प्रस्तुत करूँगा जिसे मैं हमारे प्रभु यीशु मसीह की सेवा में अपनी बुलाहट के रूप में देखता हूँ।

ऐसा करने से पहले, मैं स्पष्ट रूप से, साहस के साथ और बिना किसी संकोच के कहता हूँ कि मैं यीशु मसीह में विश्वास करता हूँ, जो स्वर्ग में विराजमान पिता परमेश्वर के एकलौते पुत्र हैं,[1] और पवित्र आत्मा में, जिन्हें यीशु मसीह ने परमेश्वर की दाहिनी ओर अपने स्वर्गारोहण पर हमारे पास भेजा।[2] मैं यीशु का हूँ। वे मेरे जीवन के प्रभु हैं। वे मेरे स्वामी हैं, और केवल उन्हीं की मैं सेवा करता हूँ।[3] मैं शैतान और उसके सब कामों का त्याग करता हूँ,[4] और मैं परमप्रधान परमेश्वर को उनके पुत्र, हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा महिमा, आदर और स्तुति देता हूँ।[5]

व्यक्तिगत आदेश
वक्तव्य

कलीसिया के नाम, जो मसीह की देह है, और जो तितर-बितर होकर[6] दस राज्यों के बीच रहती है[7]:

1. मैं प्रेरितिक उत्तराधिकार में एक बिशप हूँ, जिसे हाथ रखने के द्वारा[8] ऐसे उत्तराधिकार-क्रमों में अभिषिक्त किया गया है जो प्रलेखित और अटूट हैं, बिशप-दर-बिशप,[9] मूल बारह प्रेरितों में से चार तक, प्रेरित पौलुस तक, और उन सत्तर प्रेरितों में से पाँच तक जिन्हें हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह ने स्वयं भेजा था,[10] और हर उत्तराधिकार-क्रम इस वेबसाइट पर सार्वजनिक निरीक्षण के लिए प्रस्तुत है।

2. यीशु मसीह की कलीसिया में बिशप का पद धारण करने के अतिरिक्त,[11] मैं स्वर्ग के राज्य के शास्त्री के रूप में बुलाया और अभिषिक्त किया गया हूँ, जिसके विषय में यीशु ने पवित्रशास्त्र में कहा।[12] मेरी एक विशेष बुलाहट है कि मैं मसीही विश्वासियों के लिए सिद्धांत लिखूँ, न कि किसी कलीसिया की पासबानी करूँ या सेवकाई के अन्य कार्यों में लगूँ; ये अभिषेक दूसरों को प्राप्त हैं।[13]

3. बिशप के पद को पूरा करते हुए, मैं कुँजियों के पद का निर्वाह करता हूँ, जैसा कि वह पद हमारे प्रभु ने अपने प्रेरितों को और उनके उत्तराधिकारियों को दिया।[14]

4. मैं उस सच्चे सिद्धांत की शिक्षा देता हूँ, जो हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के द्वारा सौंपा गया,[15] और जिसका युगों-युगों से गलत अनुवाद किया गया है, जिसे फीका किया गया है, बिगाड़ा गया है,[16] जिसे सिमोनी (आत्मिक वस्तुओं के क्रय-विक्रय) का विषय बनाया गया है,[17] और जिसे हथियार बनाकर मारने, चुराने और नष्ट करने के औचित्य के रूप में इस्तेमाल किया गया है।[18]

5. जहाँ कहीं भी झूठा सिद्धांत पाया जाता है, मैं समय और असमय उसे सुधारता हूँ,[19] और मेरी निष्ठा केवल यीशु मसीह के प्रति है, जो राजाओं के राजा हैं।[20]

6. मैं झूठे भविष्यद्वक्ताओं, झूठे प्रेरितों और झूठे शिक्षकों की पहचान करता हूँ,[21] और उनकी झूठी शिक्षाओं का सामना करता हूँ, और उन्हें कड़ाई से डाँटता हूँ, ताकि वे विश्वास में पक्के हो जाएँ।[22]

7. एक बिशप और स्वर्ग के राज्य के शास्त्री के रूप में, मैं परमेश्वर के वचन का उपयोग शत्रु के गढ़ों को ढा देने के लिए करता हूँ,[23] जिनमें से कुछ ज्योतिर्मय स्वर्गदूत के कामों का भेष धारण करते हैं[24] और बहुतों को भटकाते हैं।[25]

8. मैं परमेश्वर के वचन को सब जातियों तक फैलाता हूँ, जैसा कि हमारे प्रभु यीशु की स्पष्ट आज्ञा का अभिप्राय है।[26]

9. मैं किसी संप्रदाय की सेवा नहीं करता और किसी का पक्ष नहीं लेता; मैं यीशु मसीह की एक ही कलीसिया की सेवा उन शिक्षाओं के साथ करता हूँ जो आरम्भ में दी गई थीं,[27] उन शिक्षाओं और परम्पराओं को स्वीकार करते हुए जो उनके वचन के अनुरूप हैं,[28] और मनुष्यों के गढ़े हुए सिद्धांतों को दुष्टात्माओं की शिक्षाएँ मानकर अस्वीकार करते हुए।[29]

10. मैं मसीह की देह में मसीही एकता का आह्वान करता हूँ और उसके लिए कार्य करता हूँ,[30] ताकि हम उस भयानक क्लेश के सामने स्थिर रह सकें जो आने वाला है,[31] अर्थात् दस राज्यों के दिनों में[32] और मसीह-विरोधी के शासन में।[33]

11. मैं तुम्हें कोई नया सुसमाचार नहीं सुनाता, और पौलुस के इन वचनों को पूरी तरह स्मरण रखता हूँ: “परन्तु यदि हम या स्वर्ग से कोई दूत भी उस सुसमाचार को छोड़ जो हमने तुम को सुनाया है, कोई और सुसमाचार तुम्हें सुनाए, तो श्रापित हो। जैसा हम पहले कह चुके हैं, वैसा ही मैं अब फिर कहता हूँ, कि उस सुसमाचार को छोड़ जिसे तुम ने ग्रहण किया है, यदि कोई और सुसमाचार सुनाता है, तो श्रापित हो।”[34]

12. मैं जातियों से मसीह की सेवा के लिए अभिषिक्त एक बिशप के रूप में बात करता हूँ,[35] संप्रदायों की सीमाओं का विचार किए बिना, क्योंकि वे मसीह के समय में नहीं थीं,[36] और कलीसिया के व्यवस्थित प्रशासन के लिए बनाई गई हैं।[37] क्योंकि मैं बिशप का पद धारण करता हूँ और किसी संप्रदाय का सदस्य नहीं हूँ, मैं मसीह के मूल आदेश का पालन करता हूँ, जो जातियों में सुसमाचार प्रचार करना है,[38] ताकि सब सत्य की पहचान तक पहुँचें, और सत्य उन्हें स्वतंत्र करे।[39]

टिप्पणियाँ

पवित्रशास्त्र के उद्धरण इंडियन रिवाइज़्ड वर्शन (IRV) हिंदी 2019 से लिए गए हैं। मसीह के वचन, उनके उद्धरण-चिह्नों सहित, लाल रंग में छापे गए हैं। ANF = Ante-Nicene Fathers (नीकिया-पूर्व पिता); NPNF2 = Nicene and Post-Nicene Fathers, Second Series (नीकिया और नीकिया-उत्तर पिता, द्वितीय शृंखला); Easton = B. S. Easton, The Apostolic Tradition of Hippolytus (1934)।

1 यूहन्ना 3:16 (IRV) ""क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।" यूहन्ना 1:14 (IRV) "और वचन देहधारी हुआ; और अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण होकर हमारे बीच में डेरा किया, और हमने उसकी ऐसी महिमा देखी, जैसी पिता के एकलौते की महिमा।" यूहन्ना 1:18 (IRV) "परमेश्वर को किसी ने कभी नहीं देखा, एकलौता पुत्र जो पिता की गोद में हैं, उसी ने उसे प्रगट किया।" 1 यूहन्ना 4:9 (IRV) "जो प्रेम परमेश्वर हम से रखता है, वह इससे प्रगट हुआ कि परमेश्वर ने अपने एकलौते पुत्र को जगत में भेजा है कि हम उसके द्वारा जीवन पाएँ।"

2 यूहन्ना 16:7 (IRV) "फिर भी मैं तुम से सच कहता हूँ, कि मेरा जाना तुम्हारे लिये अच्छा है, क्योंकि यदि मैं न जाऊँ, तो वह सहायक तुम्हारे पास न आएगा, परन्तु यदि मैं जाऊँगा, तो उसे तुम्हारे पास भेज दूँगा।" यूहन्ना 14:26 (IRV) "परन्तु सहायक अर्थात् पवित्र आत्मा जिसे पिता मेरे नाम से भेजेगा, वह तुम्हें सब बातें सिखाएगा, और जो कुछ मैंने तुम से कहा है, वह सब तुम्हें स्मरण कराएगा।"" यूहन्ना 15:26 (IRV) "परन्तु जब वह सहायक आएगा, जिसे मैं तुम्हारे पास पिता की ओर से भेजूँगा, अर्थात् सत्य का आत्मा जो पिता की ओर से निकलता है, तो वह मेरी गवाही देगा।" मरकुस 16:19 (IRV) "तब प्रभु यीशु उनसे बातें करने के बाद स्वर्ग पर उठा लिया गया, और परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।" प्रेरितों के काम 1:9 (IRV) "यह कहकर वह उनके देखते-देखते ऊपर उठा लिया गया, और बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।" प्रेरितों के काम 2:33 (IRV) "इस प्रकार परमेश्वर के दाहिने हाथ से सर्वोच्च पद पाकर, और पिता से वह पवित्र आत्मा प्राप्त करके जिसकी प्रतिज्ञा की गई थी, उसने यह उण्डेल दिया है जो तुम देखते और सुनते हो।" इब्रानियों 1:3 (IRV) "वह उसकी महिमा का प्रकाश, और उसके तत्व की छाप है, और सब वस्तुओं को अपनी सामर्थ्य के वचन से सम्भालता है: वह पापों को धोकर ऊँचे स्थानों पर महामहिमन् के दाहिने जा बैठा।"

3 मत्ती 4:10 (IRV) "...तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।" यूहन्ना 13:13 (IRV) "तुम मुझे गुरु, और प्रभु, कहते हो, और भला कहते हो, क्योंकि मैं वहीं हूँ।" मत्ती 6:24 (IRV) ""कोई मनुष्य दो स्वामियों की सेवा नहीं कर सकता, क्योंकि वह एक से बैर और दूसरे से प्रेम रखेगा, या एक से निष्ठावान रहेगा और दूसरे का तिरस्कार करेगा। तुम परमेश्वर और धन दोनों की सेवा नहीं कर सकते।" रोमियों 14:8 (IRV) "क्योंकि यदि हम जीवित हैं, तो प्रभु के लिये जीवित हैं; और यदि मरते हैं, तो प्रभु के लिये मरते हैं; फिर हम जीएँ या मरें, हम प्रभु ही के हैं।" 1 कुरिन्थियों 6:19–20 (IRV) "क्या तुम नहीं जानते, कि तुम्हारी देह पवित्र आत्मा का मन्दिर है; जो तुम में बसा हुआ है और तुम्हें परमेश्वर की ओर से मिला है, और तुम अपने नहीं हो? क्योंकि दाम देकर मोल लिये गए हो, इसलिए अपनी देह के द्वारा परमेश्वर की महिमा करो।" पॉलीकार्प की शहादत 9 (ANF 1): "छियासी वर्ष से मैं उनकी सेवा करता आया हूँ, और उन्होंने कभी मेरी कोई हानि नहीं की: तो फिर मैं अपने राजा और अपने उद्धारकर्ता की निन्दा कैसे कर सकता हूँ?" (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

4 1 यूहन्ना 3:8 (IRV) "...परमेश्वर का पुत्र इसलिए प्रगट हुआ, कि शैतान के कामों को नाश करे।" याकूब 4:7 (IRV) "इसलिए परमेश्वर के अधीन हो जाओ; और शैतान का सामना करो, तो वह तुम्हारे पास से भाग निकलेगा।" इफिसियों 6:11 (IRV) "परमेश्वर के सारे हथियार बाँध लो कि तुम शैतान की युक्तियों के सामने खड़े रह सको।" हिप्पोलिटस, प्रेरितिक परम्परा 21 (Easton): "हे शैतान, मैं तेरा, और तेरे सब सेवकों का, और तेरे सब कामों का त्याग करता हूँ।" (Easton के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) तर्तुलियन, De Spectaculis 4 (ANF 3): "हम सार्वजनिक रूप से यह गवाही देते हैं कि हमने शैतान का, उसके आडम्बर का, और उसके दूतों का त्याग किया है।" (ANF 3 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) यरूशलेम के सिरिल, धर्मशिक्षा व्याख्यान 19 (रहस्य-दीक्षा संबंधी 1), 4–8 (NPNF2 7): "...तुझे आज्ञा दी जाती है कि तू अपना हाथ उसकी ओर ऐसे फैलाकर, मानो वह उपस्थित हो, कहे, 'हे शैतान, मैं तेरा त्याग करता हूँ।' ... फिर दूसरे वाक्य में तुझे यह कहना सिखाया जाता है, 'और तेरे सब कामों का।'" (NPNF2 7 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

5 प्रकाशितवाक्य 5:13 (IRV) "...जो सिंहासन पर बैठा है, उसकी, और मेम्ने की स्तुति, और आदर, और महिमा, और राज्य, युगानुयुग रहे।" 1 तीमुथियुस 1:17 (IRV) "अब सनातन राजा अर्थात् अविनाशी अनदेखे अद्वैत परमेश्वर का आदर और महिमा युगानुयुग होती रहे। आमीन।" यहूदा 25 (IRV) "उस एकमात्र परमेश्वर के लिए, हमारे उद्धारकर्ता की महिमा, गौरव, पराक्रम और अधिकार, हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा जैसा सनातन काल से है, अब भी हो और युगानुयुग रहे। आमीन।" रोमियों 16:27 (IRV) "उसी एकमात्र अद्वैत बुद्धिमान परमेश्वर की यीशु मसीह के द्वारा युगानुयुग महिमा होती रहे। आमीन।" "परमप्रधान परमेश्वर": उत्पत्ति 14:18–20 (IRV) "तब शालेम का राजा मलिकिसिदक, जो परमप्रधान परमेश्वर का याजक था, रोटी और दाखमधु ले आया। और उसने अब्राम को यह आशीर्वाद दिया, "परमप्रधान परमेश्वर की ओर से, जो आकाश और पृथ्वी का अधिकारी है, तू धन्य हो। और धन्य है परमप्रधान परमेश्वर, जिसने तेरे द्रोहियों को तेरे वश में कर दिया है।" तब अब्राम ने उसको सब का दशमांश दिया।" मरकुस 5:7 (IRV) "और ऊँचे शब्द से चिल्लाकर कहा, "हे यीशु, परमप्रधान परमेश्वर के पुत्र, मुझे तुझ से क्या काम? मैं तुझे परमेश्वर की शपथ देता हूँ, कि मुझे पीड़ा न दे।"" लूका 8:28 (IRV) "वह यीशु को देखकर चिल्लाया, और उसके सामने गिरकर ऊँचे शब्द से कहा, "हे परमप्रधान परमेश्वर के पुत्र यीशु! मुझे तुझ से क्या काम? मैं तुझ से विनती करता हूँ, मुझे पीड़ा न दे।"" प्रेरितों के काम 16:17 (IRV) "वह पौलुस के और हमारे पीछे आकर चिल्लाने लगी, "ये मनुष्य परमप्रधान परमेश्वर के दास हैं, जो हमें उद्धार के मार्ग की कथा सुनाते हैं।""

6 याकूब 1:1 (IRV) "...उन बारहों गोत्रों को जो तितर-बितर होकर रहते हैं नमस्कार पहुँचे।" 1 पतरस 1:1 (IRV) "...उन परदेशियों के नाम, जो पुन्तुस, गलातिया, कप्पदूकिया, आसिया, और बितूनिया में तितर-बितर होकर रहते हैं।" यूहन्ना 11:52 (IRV) "...वरन् इसलिए भी, कि परमेश्वर की तितर-बितर सन्तानों को एक कर दे।" यूहन्ना 10:16 (IRV) "और मेरी और भी भेड़ें हैं, जो इस भेड़शाला की नहीं; मुझे उनका भी लाना अवश्य है, वे मेरा शब्द सुनेंगी; तब एक ही झुण्ड और एक ही चरवाहा होगा।" प्रेरितों के काम 8:4 (IRV) "मगर जो तितर-बितर हुए थे, वे सुसमाचार सुनाते हुए फिरे।"

7 दानिय्येल 2:41–44 (IRV) "और तूने जो मूर्ति के पाँवों और उनकी उँगलियों को देखा, जो कुछ कुम्हार की मिट्टी की और कुछ लोहे की थीं, इससे वह चौथा राज्य बटा हुआ होगा; तो भी उसमें लोहे का सा कड़ापन रहेगा, जैसे कि तूने कुम्हार की मिट्टी के संग लोहा भी मिला हुआ देखा था। और जैसे पाँवों की उँगलियाँ कुछ तो लोहे की और कुछ मिट्टी की थीं, इसका अर्थ यह है, कि वह राज्य कुछ तो दृढ़ और कुछ निर्बल होगा। और तूने जो लोहे को कुम्हार की मिट्टी के संग मिला हुआ देखा, इसका अर्थ यह है, कि उस राज्य के लोग एक दूसरे मनुष्यों से मिले-जुले तो रहेंगे, परन्तु जैसे लोहा मिट्टी के साथ मेल नहीं खाता, वैसे ही वे भी एक न बने रहेंगे। और उन राजाओं के दिनों में स्वर्ग का परमेश्वर, एक ऐसा राज्य उदय करेगा जो अनन्तकाल तक न टूटेगा, और न वह किसी दूसरी जाति के हाथ में किया जाएगा। वरन् वह उन सब राज्यों को चूर-चूर करेगा, और उनका अन्त कर डालेगा; और वह सदा स्थिर रहेगा;" दानिय्येल 7:7 (IRV) "फिर इसके बाद मैंने स्वप्न में दृष्टि की और देखा, कि एक चौथा जन्तु है जो भयंकर और डरावना और बहुत सामर्थी है; और उसके बड़े-बड़े लोहे के दाँत हैं; वह सब कुछ खा डालता है और चूर-चूर करता है, और जो बच जाता है, उसे पैरों से रौंदता है। और वह सब पहले जन्तुओं से भिन्न है; और उसके दस सींग हैं।" दानिय्येल 7:20 (IRV) "फिर उसके सिर में के दस सींगों का भेद, और जिस नये सींग के निकलने से तीन सींग गिर गए, अर्थात् जिस सींग की आँखें और बड़ा बोल बोलनेवाला मुँह और सब और सींगों से अधिक भयंकर था, उसका भी भेद जानने की मुझे इच्छा हुई।" दानिय्येल 7:24 (IRV) "और उन दस सींगों का अर्थ यह है, कि उस राज्य में से दस राजा उठेंगे..." प्रकाशितवाक्य 12:3 (IRV) "एक और चिन्ह स्वर्ग में दिखाई दिया, एक बड़ा लाल अजगर था जिसके सात सिर और दस सींग थे, और उसके सिरों पर सात राजमुकुट थे।" प्रकाशितवाक्य 12:18–13:1 (IRV) "और

वह समुद्र के रेत पर जा खड़ा हुआ। मैंने एक पशु को समुद्र में से निकलते हुए देखा, जिसके दस सींग और सात सिर थे। उसके सींगों पर दस राजमुकुट, और उसके सिरों पर परमेश्वर की निन्दा के नाम लिखे हुए थे।” प्रकाशितवाक्य 17:3 (IRV) “तब वह मुझे पवित्र आत्मा में जंगल को ले गया, और मैंने लाल रंग के पशु पर जो निन्दा के नामों से भरा हुआ था और जिसके सात सिर और दस सींग थे, एक स्त्री को बैठे हुए देखा।” प्रकाशितवाक्य 17:7 (IRV) “उस स्वर्गदूत ने मुझसे कहा, “तू क्यों चकित हुआ? मैं इस स्त्री, और उस पशु का, जिस पर वह सवार है, और जिसके सात सिर और दस सींग हैं, तुझे भेद बताता हूँ।” प्रकाशितवाक्य 17:12 (IRV) “जो दस सींग तूने देखे वे दस राजा हैं; जिन्होंने अब तक राज्य नहीं पाया; पर उस पशु के साथ घड़ी भर के लिये राजाओं के समान अधिकार पाएँगे।” प्रकाशितवाक्य 17:13 (IRV) “ये सब एक मन होंगे, और वे अपनी-अपनी सामर्थ्य और अधिकार उस पशु को देंगे।” प्रकाशितवाक्य 17:16–17 (IRV) “और जो दस सींग तूने देखे, वे और पशु उस वेश्या से बैर रखेंगे, और उसे लाचार और नंगी कर देंगे; और उसका माँस खा जाएँगे, और उसे आग में जला देंगे। क्योंकि परमेश्वर उनके मन में यह डालेगा कि वे उसकी मनसा पूरी करें; और जब तक परमेश्वर के वचन पूरे न हो लें, तब तक एक मन होकर अपना-अपना राज्य पशु को दे दें।” इरेनियस, विधर्मों के विरुद्ध V.26.1 (ANF 1): “वे दस राजा जो तब उठेंगे, जिनके बीच वह साम्राज्य, जो अभी [पृथ्वी पर] शासन करता है, बाँटा जाएगा।” (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) हिप्पोलिटस, मसीह और मसीह-विरोधी पर निबंध 25, 27–28 (ANF 5): “चौथे पशु के दस सींग दस राज्यों में बँटे हुए हैं।” (ANF 5 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) लैक्टेंटियस, दिव्य संस्थाएँ VII.16 (ANF 7): “जब तक कि एक ही समय में दस राजा न उठें, जो संसार को शासन करने के लिए नहीं, बल्कि उसे निगल जाने के लिए आपस में बाँट लेंगे।” (ANF 7 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) बरनबास की पत्री 4 (ANF 1): “दस राज्य पृथ्वी पर राज्य करेंगे, और उनके बाद एक छोटा राजा उठेगा, जो राजाओं में से तीन को एक साथ अपने अधीन कर लेगा।” (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

8 1 तीमुथियुस 4:14 (IRV) “उस वरदान से जो तुझ में है, और भविष्यद्वाणी के द्वारा प्राचीनों के हाथ रखते समय तुझे मिला था, निश्चिन्त मत रह।” 2 तीमुथियुस 1:6 (IRV) “इसी कारण मैं तुझे सुधि दिलाता हूँ, कि तू परमेश्वर के उस वरदान को जो मेरे हाथ रखने के द्वारा तुझे मिला है प्रज्वलित कर दे।” 1 तीमुथियुस 5:22 (IRV) “किसी पर शीघ्र हाथ न रखना और दूसरों के पापों में भागी न होना; अपने आपको पवित्र बनाए रख।” प्रेरितों के काम 6:6 (IRV) “और इन्हें प्रेरितों के सामने खड़ा किया और उन्होंने प्रार्थना करके उन पर हाथ रखे।” प्रेरितों के काम 13:3 (IRV) “तब उन्होंने उपवास और प्रार्थना करके और उन पर हाथ रखकर उन्हें विदा किया।” प्रेरितों के काम 14:23 (IRV) “और उन्होंने हर एक कलीसिया में उनके लिये प्राचीन ठहराए, और उपवास सहित प्रार्थना करके उन्हें प्रभु के हाथ सौंपा जिस पर उन्होंने विश्वास किया था।” तीतुस 1:5 (IRV) “...मेरी आज्ञा के अनुसार नगर-नगर प्राचीनों को नियुक्त करे।” हिप्पोलिटस, प्रेरितिक परम्परा 2 (Easton): “बिशप उस पर अपने हाथ रखेंगे, और प्रेस्बिटर-मंडल चुपचाप पास खड़ा रहेगा।” (Easton के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

9 1 क्लेमेंट 42 (ANF 1): “उन्होंने [अपने परिश्रम के] पहले फलों को, पहले आत्मा के द्वारा परखकर, उन लोगों के बिशप और डीकन नियुक्त किया जो आगे चलकर विश्वास करने वाले थे।” (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) 1 क्लेमेंट 44: “उन्होंने उन [सेवकों] को नियुक्त किया जिनका उल्लेख पहले हो चुका है, और उसके बाद यह निर्देश दिया कि जब ये सो जाएँ, तो दूसरे परखे हुए पुरुष उनकी सेवकाई में उनके उत्तराधिकारी हों।” (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) इरेनियस, विधर्मों के विरुद्ध III.3.1 (ANF 1): “हम उन लोगों की गिनती कर सकते हैं जिन्हें प्रेरितों ने कलीसियाओं में बिशप नियुक्त किया, और हमारे अपने समय तक इन पुरुषों के उत्तराधिकार को [प्रमाणित कर सकते हैं]।” (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) III.3.3: “तब धन्य प्रेरितों ने कलीसिया की नींव डालकर और उसका निर्माण करके, बिशप का पद लीनुस के हाथों में सौंप दिया।” (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) तर्तुलियन, विधर्मियों के विरुद्ध आपत्ति 32 (ANF 3): “वे अपने बिशपों की वह सूची खोलकर दिखाएँ, जो आरम्भ से उचित उत्तराधिकार में चली आ रही हो।” (ANF 3 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) यूसेबियस, कलीसियाई इतिहास III.4 (लीनुस) (NPNF2 1): “...लीनुस, जिसका उल्लेख वह तीमुथियुस को लिखी दूसरी पत्री में रोम में अपने साथी के रूप में करता है, वहाँ की कलीसिया के बिशप-पद में पतरस का उत्तराधिकारी था, जैसा कि पहले ही दिखाया जा चुका है।” (NPNF2 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) III.22 (इवोडियस): “इस समय इग्नेशियस अन्ताकिया के दूसरे बिशप के रूप में जाने जाते थे, और पहले बिशप इवोडियस थे।” (NPNF2 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) III.36 (इग्नेशियस): “...इग्नेशियस, जो पतरस के बाद उत्तराधिकार में दूसरे, अन्ताकिया के बिशप चुने गए, और जिनकी कीर्ति आज भी बहुत से लोग गाते हैं।” (NPNF2 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) साइप्रियन, पत्र 26.1 (ANF 5; Oxford 33): “कलीसिया बिशपों पर स्थापित है, और कलीसिया का हर कार्य इन्हीं शासकों के द्वारा संचालित होता है।” (ANF 5 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

10 मत्ती 10:1–4 (IRV) “फिर उसने अपने बारह चेलों को पास बुलाकर, उन्हें अशुद्ध आत्माओं पर अधिकार दिया, कि उन्हें निकालें और सब प्रकार की बीमारियों और सब प्रकार की दुर्बलताओं को दूर करें। इन बारह प्रेरितों के नाम ये हैं: पहला शमौन, जो पतरस कहलाता है, और उसका भाई अन्द्रियास; जब्दी का पुत्र याकूब, और उसका भाई यूहन्ना; फिलिप्पुस और बरतुल्मै, थोमा, और चुंगी लेनेवाला मत्ती, हलफईस का पुत्र याकूब और तद्दै। शमौन कनानी, और यहूदा इस्करियोती, जिसने उसे पकड़वाया।” लूका 6:13 (IRV) “जब दिन हुआ, तो उसने अपने चेलों को बुलाकर उनमें से बारह चुन लिए, और उनको प्रेरित कहा।” (बारह प्रेरित)। गलातियों 1:1 (IRV) “पौलुस की, जो न मनुष्यों की ओर से, और न मनुष्य के द्वारा, वरन् यीशु मसीह और परमेश्वर पिता के द्वारा, जिसने उसको मरे हुओं में से जिलाया, प्रेरित है।” प्रेरितों के काम 9:15 (IRV) “परन्तु प्रभु ने उससे कहा, “तू चला जा; क्योंकि यह, तो अन्यजातियों और राजाओं, और इस्राएलियों के सामने मेरा नाम प्रगट करने के लिये मेरा चुना हुआ पात्र है।” गलातियों 2:9 (IRV) “और जब उन्होंने उस अनुग्रह को जो मुझे मिला था जान लिया, तो याकूब, और कैफा, और यूहन्ना ने जो कलीसिया के खम्भे समझे जाते थे, मुझ को और बरनबास को संगति का दाहिना हाथ देकर संग कर लिया, कि हम अन्यजातियों के पास जाएँ, और वे खतना किए हुओं के पास।” (पौलुस)। लूका 10:1 (IRV) “और इन बातों के बाद प्रभु ने सत्तर और मनुष्य नियुक्त किए और जिस-जिस नगर और जगह को वह आप जाने पर था, वहाँ उन्हें दो-दो करके अपने आगे भेजा।” लूका 10:16 (IRV) ““जो तुम्हारी सुनता है, वह मेरी सुनता है, और जो तुम्हें तुच्छ जानता है, वह मुझे तुच्छ जानता है; और जो मुझे तुच्छ जानता है, वह मेरे भेजनेवाले को तुच्छ जानता है।”” यूसेबियस, कलीसियाई इतिहास I.12 (NPNF2 1), सत्तर के विषय में: “कहा जाता है कि तद्दै भी उनमें से एक थे...” (NPNF2 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

11 1 तीमुथियुस 3:1 (IRV) “यह बात सत्य है कि जो अध्यक्ष होना चाहता है, तो वह भले काम की इच्छा करता है।” 1 तीमुथियुस 3:2–7 (IRV) “यह आवश्यक है कि अध्यक्ष निर्दोष, और एक ही पत्नी का पति, संयमी, सुशील, सभ्य, अतिथि-सत्कार करनेवाला, और सिखाने में निपुण हो। पियक्कड़ या मारपीट करनेवाला न हो; वरन् कोमल हो, और न झगड़ालू, और न धन का लोभी हो। अपने घर का अच्छा प्रबन्ध करता हो, और बाल-बच्चों को सारी गम्भीरता से अधीन रखता हो। जब कोई अपने घर ही का प्रबन्ध करना न जानता हो, तो परमेश्वर की कलीसिया की रखवाली कैसे करेगा? फिर यह कि नया चेला न हो, ऐसा न हो कि अभिमान करके शैतान के समान दण्ड पाए। और बाहरवालों में भी उसका सुनाम हो, ऐसा न हो कि निन्दित होकर शैतान के फंदे में फँस जाए।” तीतुस 1:7–9 (IRV) “क्योंकि अध्यक्ष को परमेश्वर का भण्डारी होने के कारण निर्दोष होना चाहिए; न हठी, न क्रोधी, न पियक्कड़, न मारपीट करनेवाला, और न नीच कमाई का लोभी। पर पहुनाई करनेवाला, भलाई का चाहनेवाला, संयमी, न्यायी, पवित्र और जितेन्द्रिय हो; और विश्वासयोग्य वचन पर जो धर्मोपदेश के अनुसार है, स्थिर रहे; कि खरी शिक्षा से उपदेश दे सके; और विवादियों का मुँह भी बन्द कर सके।” प्रेरितों के काम 20:28 (IRV) “इसलिए अपनी और पूरे झुण्ड की देख-रेख करो; जिसमें पवित्र आत्मा ने तुम्हें अध्यक्ष ठहराया है कि तुम परमेश्वर की कलीसिया की रखवाली करो, जिसे उसने अपने लहू से मोल लिया है।” फिलिप्पियों 1:1 (IRV) “मसीह यीशु के दास पौलुस और तीमुथियुस की ओर से सब पवित्र लोगों के नाम, जो मसीह यीशु में होकर फिलिप्पी में रहते हैं, अध्यक्षों और सेवकों समेत,” 1 पतरस 5:1–4 (IRV) “तुम में जो प्राचीन हैं, मैं उनके समान प्राचीन और मसीह के दुःखों का गवाह और प्रगट होनेवाली महिमा में सहभागी होकर उन्हें यह समझाता हूँ। कि परमेश्वर के उस झुण्ड की, जो तुम्हारे बीच में है रखवाली करो; और यह दबाव से नहीं, परन्तु परमेश्वर की इच्छा के अनुसार आनन्द से, और नीच-कमाई के लिये नहीं, पर मन लगाकर। जो लोग तुम्हें सौंपे गए हैं, उन पर अधिकार न जताओ, वरन् झुण्ड के लिये आदर्श बनो। और जब प्रधान रखवाला प्रगट होगा, तो तुम्हें महिमा का मुकुट दिया जाएगा, जो मुर्झाने का नहीं।” इग्नेशियस, इफिसियों के नाम 6 (ANF 1): “हमें बिशप को ऐसे देखना चाहिए जैसे हम स्वयं प्रभु को देखते।” (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) मग्नेसियों के नाम 6: “तुम्हारा बिशप परमेश्वर के स्थान पर, और तुम्हारे प्रेस्बिटर प्रेरितों की सभा के स्थान पर अध्यक्षता करते हैं।” (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) त्रालियों के नाम 3: “इसी प्रकार सब लोग डीकनों का आदर यीशु मसीह की नियुक्ति के रूप में करें, और बिशप का आदर यीशु मसीह के रूप में, जो पिता के पुत्र हैं, और प्रेस्बिटरों का आदर परमेश्वर की महासभा और प्रेरितों की सभा के रूप में। इनके बिना कोई कलीसिया नहीं है।” (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) स्मुरनियों के नाम 8: “जहाँ कहीं बिशप प्रकट हो, वहीं [लोगों की] भीड़ भी हो; ठीक वैसे ही जैसे जहाँ कहीं यीशु मसीह हैं, वहाँ कैथोलिक कलीसिया है।” (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

12 मत्ती 13:52 (IRV) “फिर यीशु ने उनसे कहा, “इसलिए हर एक शास्त्री जो स्वर्ग के राज्य का चेला बना है, उस गृहस्थ के समान है जो अपने भण्डार से नई और पुरानी वस्तुएँ निकालता है।”” मत्ती 23:34 (IRV) “इसलिए देखो, मैं तुम्हारे पास भविष्यद्वक्ताओं और बुद्धिमानों

और शास्त्रियों को भेजता हूँ…" एज्रा 7:6 (IRV) "यही एज्रा मूसा की व्यवस्था के विषय जिसे इस्राएल के परमेश्वर यहोवा ने दी थी, निपुण शास्त्री था। उसके परमेश्वर यहोवा की कृपादृष्टि जो उस पर रही, इसके कारण राजा ने उसका मुँह माँगा वर दे दिया।" एज्रा 7:10 (IRV) "क्योंकि एज्रा ने यहोवा की व्यवस्था का अर्थ जान लेने, और उसके अनुसार चलने, और इस्राएल में विधि और नियम सिखाने के लिये अपना मन लगाया था।" हबक्कूक 2:2 (IRV) "फिर यहोवा ने मुझसे कहा, "दर्शन की बातें लिख दे; वरन् पटियाओं पर साफ-साफ लिख दे कि दौड़ते हुए भी वे सहज से पढ़ी जाएँ।" यिर्मयाह 30:2 (IRV) ""इस्राएल का परमेश्वर यहोवा तुझ से यह कहता है, जो वचन मैंने तुझ से कहे हैं उन सभी को पुस्तक में लिख ले।" प्रकाशितवाक्य 1:11 (IRV) ""जो कुछ तू देखता है, उसे पुस्तक में लिखकर सातों कलीसियाओं के पास भेज दे, अर्थात् इफिसुस, स्मुरना, पिरगमुन, थुआतीरा, सरदीस, फिलदिलफिया और लौदीकिया को।"" प्रकाशितवाक्य 1:19 (IRV) ""इसलिए जो बातें तूने देखीं हैं और जो बातें हो रही हैं; और जो इसके बाद होनेवाली हैं, उन सब को लिख ले।""

13 इफिसियों 4:11 (IRV) "और उसने कुछ को प्रेरित नियुक्त करके, और कुछ को भविष्यद्वक्ता नियुक्त करके, और कुछ को सुसमाचार सुनानेवाले नियुक्त करके, और कुछ को रखवाले और उपदेशक नियुक्त करके दे दिया।" रोमियों 12:4–8 (IRV) "क्योंकि जैसे हमारी एक देह में बहुत से अंग हैं, और सब अंगों का एक ही जैसा काम नहीं; वैसा ही हम जो बहुत हैं, मसीह में एक देह होकर आपस में एक दूसरे के अंग हैं। और जबकि उस अनुग्रह के अनुसार जो हमें दिया गया है, हमें भिन्न-भिन्न वरदान मिले हैं, तो जिसको भविष्यद्वाणी का दान मिला हो, वह विश्वास के परिमाण के अनुसार भविष्यद्वाणी करे। यदि सेवा करने का दान मिला हो, तो सेवा में लगा रहे, यदि कोई सिखानेवाला हो, तो सिखाने में लगा रहे; जो उपदेशक हो, वह उपदेश देने में लगा रहे; दान देनेवाला उदारता से दे, जो अगुआई करे, वह उत्साह से करे, जो दया करे, वह हर्ष से करे।" 1 कुरिन्थियों 12:4–11 (IRV) "वरदान तो कई प्रकार के हैं, परन्तु आत्मा एक ही है। और सेवा भी कई प्रकार की है, परन्तु प्रभु एक ही है। और प्रभावशाली कार्य कई प्रकार के हैं, परन्तु परमेश्वर एक ही है, जो सब में हर प्रकार का प्रभाव उत्पन्न करता है। किन्तु सब के लाभ पहुँचाने के लिये हर एक को आत्मा का प्रकाश दिया जाता है। क्योंकि एक को आत्मा के द्वारा बुद्धि की बातें दी जाती हैं; और दूसरे को उसी आत्मा के अनुसार ज्ञान की बातें। और किसी को उसी आत्मा से विश्वास; और किसी को उसी एक आत्मा से चंगा करने का वरदान दिया जाता है। फिर किसी को सामर्थ्य के काम करने की शक्ति; और किसी को भविष्यद्वाणी की; और किसी को आत्माओं की परख, और किसी को अनेक प्रकार की भाषा; और किसी को भाषाओं का अर्थ बताना। परन्तु ये सब प्रभावशाली कार्य वही एक आत्मा करवाता है, और जिसे जो चाहता है वह बाँट देता है।" 1 कुरिन्थियों 12:28–29 (IRV) "और परमेश्वर ने कलीसिया में अलग-अलग व्यक्ति नियुक्त किए हैं; प्रथम प्रेरित, दूसरे भविष्यद्वक्ता, तीसरे शिक्षक, फिर सामर्थ्य के काम करनेवाले, फिर चंगा करनेवाले, और उपकार करनेवाले, और प्रधान, और नाना प्रकार की भाषा बोलनेवाले। क्या सब प्रेरित हैं? क्या सब भविष्यद्वक्ता हैं? क्या सब उपदेशक हैं? क्या सब सामर्थ्य के काम करनेवाले हैं?" 1 कुरिन्थियों 7:7 (IRV) "मैं यह चाहता हूँ, कि जैसा मैं हूँ, वैसा ही सब मनुष्य हों; परन्तु हर एक को परमेश्वर की ओर से विशेष वरदान मिले हैं; किसी को किसी प्रकार का, और किसी को किसी और प्रकार का।" 1 पतरस 4:10–11 (IRV) "जिसको जो वरदान मिला है, वह उसे परमेश्वर के नाना प्रकार के अनुग्रह के भले भण्डारियों के समान एक दूसरे की सेवा में लगाए। यदि कोई बोले, तो ऐसा बोले मानो परमेश्वर का वचन है; यदि कोई सेवा करे, तो उस शक्ति से करे जो परमेश्वर देता है; जिससे सब बातों में यीशु मसीह के द्वारा, परमेश्वर की महिमा प्रगट हो। महिमा और सामर्थ्य युगानुयुग उसी की है। आमीन।" 1 क्लेमेंट 41 (ANF 1): "हे भाइयो, तुम में से हर एक अपने-अपने क्रम में परमेश्वर का धन्यवाद करे … और उस सेवकाई के नियम का उल्लंघन न करे जो उसके लिए ठहराया गया है।" (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) डिडाके 15.1 (ANF 7): "इसलिए अपने लिए ऐसे बिशप और डीकन नियुक्त करो जो प्रभु के योग्य हों, ऐसे पुरुष जो नम्र हों, धन के लोभी न हों, सच्चे और परखे हुए हों; क्योंकि वे भी तुम्हारे लिए भविष्यद्वक्ताओं और शिक्षकों की सेवा करते हैं।" (ANF 7 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

14 मत्ती 16:18–19 (IRV) "…मैं तुझे स्वर्ग के राज्य की कुँजियाँ दूँगा: और जो कुछ तू पृथ्वी पर बाँधेगा, वह स्वर्ग में बँधेगा; और जो कुछ तू पृथ्वी पर खोलेगा, वह स्वर्ग में खुलेगा।" मत्ती 18:18 (IRV) ""मैं तुम से सच कहता हूँ, जो कुछ तुम पृथ्वी पर बाँधोगे, वह स्वर्ग पर बँधेगा और जो कुछ तुम पृथ्वी पर खोलोगे, वह स्वर्ग में खुलेगा।" यूहन्ना 20:21–23 (IRV) "यीशु ने फिर उनसे कहा, "तुम्हें शान्ति मिले; जैसे पिता ने मुझे भेजा है, वैसे ही मैं भी तुम्हें भेजता हूँ।" यह कहकर उसने उन पर फूँका और उनसे कहा, "पवित्र आत्मा लो। जिनके पाप तुम क्षमा करो वे उनके लिये क्षमा किए गए हैं; जिनके तुम रखो, वे रखे गए हैं।"" यशायाह 22:22 (IRV) "मैं दाऊद के घराने की कुँजी उसके कंधे पर रखूँगा, और वह खोलेगा और कोई बन्द न कर सकेगा; वह बन्द करेगा और कोई खोल न सकेगा।" प्रकाशितवाक्य 1:18 (IRV) "मैं मर गया था, और

अब देख मैं युगानुयुग जीविता हूँ; और मृत्यु और अधोलोक की कुँजियाँ मेरे ही पास हैं।" प्रकाशितवाक्य 3:7 (IRV) ""फिलदिलफिया की कलीसिया के स्वर्गदूत को यह लिख: "जो पवित्र और सत्य है, और जो दाऊद की कुँजी रखता है, जिसके खोले हुए को कोई बन्द नहीं कर सकता और बन्द किए हुए को कोई खोल नहीं सकता, वह यह कहता है," उत्तराधिकारी: प्रेरितों के काम 1:20–26 (IRV) "क्योंकि भजन संहिता में लिखा है, 'उसका घर उजड़ जाए, और उसमें कोई न बसे' और 'उसका पद कोई दूसरा ले ले।' इसलिए जितने दिन तक प्रभु यीशु हमारे साथ आता-जाता रहा, अर्थात् यूहन्ना के बपतिस्मा से लेकर उसके हमारे पास से उठाए जाने तक, जो लोग बराबर हमारे साथ रहे, उचित है कि उनमें से एक व्यक्ति हमारे साथ उसके जी उठने का गवाह हो जाए। तब उन्होंने दो को खड़ा किया, एक यूसुफ को, जो बरसब्बास कहलाता है, जिसका उपनाम यूस्तुस है, दूसरा मत्तियाह को। और यह कहकर प्रार्थना की, "हे प्रभु, तू जो सब के मन को जानता है, यह प्रगट कर कि इन दोनों में से तूने किसको चुना है, कि वह इस सेवकाई और प्रेरिताई का पद ले, जिसे यहूदा छोड़कर अपने स्थान को गया।" तब उन्होंने उनके बारे में चिट्ठियाँ डाली, और चिट्ठी मत्तियाह के नाम पर निकली, अतः वह उन ग्यारह प्रेरितों के साथ गिना गया।" 2 तीमुथियुस 2:2 (IRV) "और जो बातें तूने बहुत गवाहों के सामने मुझसे सुनी हैं, उन्हें विश्वासी मनुष्यों को सौंप दे; जो औरों को भी सिखाने के योग्य हों।" तीतुस 1:5 (IRV) "मैं इसलिए तुझे क्रेते में छोड़ आया था, कि तू शेष रही हुई बातों को सुधारें, और मेरी आज्ञा के अनुसार नगर-नगर प्राचीनों को नियुक्त करे।" ओरिजन, मत्ती पर टीका XII.10–11, 14 (ANF 9): "क्या स्वर्ग के राज्य की कुँजियाँ प्रभु ने केवल पतरस को दी हैं, और क्या धन्य जनों में से कोई और उन्हें प्राप्त नहीं करेगा?" (ANF 9 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) और "आओ, हम देखें कि पतरस से, और हर पतरस से, किस अर्थ में यह कहा गया है, 'मैं तुझे स्वर्ग के राज्य की कुँजियाँ दूँगा।'" (ANF 9 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) साइप्रियन, कलीसिया की एकता पर 4–5 (ANF 5): "अपने पुनरुत्थान के बाद वे सब प्रेरितों को समान अधिकार देते हैं" (ANF 5 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित); "बिशप-पद एक ही है, जिसका हर भाग प्रत्येक बिशप सम्पूर्ण के लिए धारण करता है।" (ANF 5 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

15 यूहन्ना 7:16 (IRV) "यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, "मेरा उपदेश मेरा नहीं, परन्तु मेरे भेजनेवाले का है।" यूहन्ना 12:49–50 (IRV) "क्योंकि मैंने अपनी ओर से बातें नहीं की, परन्तु पिता जिसने मुझे भेजा है उसी ने मुझे आज्ञा दी है, कि क्या-क्या कहूँ और क्या-क्या बोलूँ? और मैं जानता हूँ, कि उसकी आज्ञा अनन्त जीवन है इसलिए मैं जो बोलता हूँ, वह जैसा पिता ने मुझसे कहा है वैसा ही बोलता हूँ।"" यूहन्ना 14:24 (IRV) "जो मुझसे प्रेम नहीं रखता, वह मेरे वचन नहीं मानता, और जो वचन तुम सुनते हो, वह मेरा नहीं वरन् पिता का है, जिसने मुझे भेजा।" यूहन्ना 17:8 (IRV) "क्योंकि जो बातें तूने मुझे पहुँचा दीं, मैंने उन्हें उनको पहुँचा दिया और उन्होंने उनको ग्रहण किया और सच-सच जान लिया है, कि मैं तेरी ओर से आया हूँ, और यह विश्वास किया है कि तू ही ने मुझे भेजा।" मत्ती 28:20 (IRV) "और उन्हें सब बातें जो मैंने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ और देखो, मैं जगत के अन्त तक सदैव तुम्हारे संग हूँ।"" यहूदा 3 (IRV) "...उस विश्वास के लिये पूरा यत्न करो जो पवित्र लोगों को एक ही बार सौंपा गया था।" 2 तीमुथियुस 1:13 (IRV) "जो खरी बातें तूने मुझसे सुनी हैं उनको उस विश्वास और प्रेम के साथ जो मसीह यीशु में है, अपना आदर्श बनाकर रख।" इब्रानियों 2:3 (IRV) "तो हम लोग ऐसे बड़े उद्धार से उपेक्षा करके कैसे बच सकते हैं? जिसकी चर्चा पहले-पहल प्रभु के द्वारा हुई, और सुननेवालों के द्वारा हमें निश्चय हुआ।"

16 2 कुरिन्थियों 2:17 (IRV) "क्योंकि हम उन बहुतों के समान नहीं, जो परमेश्वर के वचन में मिलावट करते हैं..." 2 कुरिन्थियों 4:2 (IRV) "परन्तु हमने लज्जा के गुप्त कामों को त्याग दिया, और न चतुराई से चलते, और न परमेश्वर के वचन में मिलावट करते हैं, परन्तु सत्य को प्रगट करके, परमेश्वर के सामने हर एक मनुष्य के विवेक में अपनी भलाई बैठाते हैं।" 2 पतरस 3:16 (IRV) "वैसे ही उसने अपनी सब पत्रियों में भी इन बातों की चर्चा की है जिनमें कितनी बातें ऐसी हैं, जिनका समझना कठिन है, और अनपढ़ और चंचल लोग उनके अर्थों को भी पवित्रशास्त्र की अन्य बातों के समान खींच तानकर अपने ही नाश का कारण बनाते हैं।" यिर्मयाह 8:8 (IRV) ""तुम कैसे कह सकते हो कि हम बुद्धिमान हैं, और यहोवा की दी हुई व्यवस्था हमारे साथ है? परन्तु उनके शास्त्रियों ने उसका झूठा विवरण लिखकर उसको झूठ बना दिया है।" गलातियों 1:7 (IRV) "परन्तु वह दूसरा सुसमाचार है ही नहीं पर बात यह है, कि कितने ऐसे हैं, जो तुम्हें घबरा देते, और मसीह के सुसमाचार को बिगाड़ना चाहते हैं।" व्यवस्थाविवरण 4:2 (IRV) "जो आज्ञा मैं तुम को सुनाता हूँ उसमें न तो कुछ बढ़ाना, और न कुछ घटाना; तुम्हारे परमेश्वर यहोवा की जो-जो आज्ञा मैं तुम्हें सुनाता हूँ उन्हें तुम मानना" प्रकाशितवाक्य 22:18–19 (IRV) "मैं हर एक को, जो इस पुस्तक की भविष्यद्वाणी की बातें सुनता है, गवाही देता हूँ: यदि कोई मनुष्य इन बातों में कुछ बढ़ाए तो परमेश्वर उन विपत्तियों को जो इस पुस्तक में लिखी हैं, उस पर बढ़ाएगा। और यदि कोई इस भविष्यद्वाणी की पुस्तक की बातों में से कुछ निकाल डाले, तो परमेश्वर उस जीवन के पेड़ और पवित्र नगर में से, जिसका वर्णन इस पुस्तक में है, उसका भाग निकाल देगा।" इरेनियस, विधर्मों के विरुद्ध I.8.1 (ANF 1): विधर्मी पवित्रशास्त्र के

साथ ऐसा व्यवहार करते हैं जैसे कोई किसी राजा की रत्नजड़ित प्रतिमा को “टुकड़े-टुकड़े कर दे, रत्नों को नए सिरे से सजाए, और उन्हें ऐसे जोड़ दे कि उनसे कुत्ते या लोमड़ी का रूप बन जाए।” (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) I.9.4: “वे उन्हें, जैसा हम पहले कह चुके हैं, स्वाभाविक अर्थ से अस्वाभाविक अर्थ में मरोड़ देते हैं।” (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) तर्तुलियन, विधर्मियों के विरुद्ध आपत्ति 38: “जहाँ सिद्धांत में भिन्नता पाई जाती है, वहाँ यह मानना चाहिए कि पवित्रशास्त्र और उसकी व्याख्याओं, दोनों में भ्रष्टता है। ... एक व्यक्ति अपने हाथ से पवित्रशास्त्र को बिगाड़ता है, दूसरा अपनी व्याख्या से उसके अर्थ को।” (अंग्रेज़ी से अनूदित)

17 प्रेरितों के काम 8:20 (IRV) “पतरस ने उससे कहा, “तेरे रुपये तेरे साथ नाश हों, क्योंकि तूने परमेश्वर का दान रुपयों से मोल लेने का विचार किया।” प्रेरितों के काम 8:18–23 (IRV) “जब शमौन ने देखा कि प्रेरितों के हाथ रखने से पवित्र आत्मा दिया जाता है, तो उनके पास रुपये लाकर कहा, “यह शक्ति मुझे भी दो, कि जिस किसी पर हाथ रखूँ, वह पवित्र आत्मा पाए।” पतरस ने उससे कहा, “तेरे रुपये तेरे साथ नाश हों, क्योंकि तूने परमेश्वर का दान रुपयों से मोल लेने का विचार किया। इस बात में न तेरा हिस्सा है, न भाग; क्योंकि तेरा मन परमेश्वर के आगे सीधा नहीं। इसलिए अपनी इस बुराई से मन फिराकर प्रभु से प्रार्थना कर, सम्भव है तेरे मन का विचार क्षमा किया जाए। क्योंकि मैं देखता हूँ, कि तू पित्त की कड़वाहट और अधर्म के बन्धन में पड़ा है।”” मत्ती 10:8 (IRV) “बीमारों को चंगा करो: मरे हुओं को जिलाओ, कोढ़ियों को शुद्ध करो, दुष्टात्माओं को निकालो। तुम ने सेंत-मेंत पाया है, सेंत-मेंत दो।” 1 तीमुथियुस 6:5 (IRV) “और उन मनुष्यों में व्यर्थ रगड़े-झगड़े उत्पन्न होते हैं, जिनकी बुद्धि बिगड़ गई है और वे सत्य से विहीन हो गए हैं, जो समझते हैं कि भक्ति लाभ का द्वार है।” 1 तीमुथियुस 6:10 (IRV) “क्योंकि रुपये का लोभ सब प्रकार की बुराइयों की जड़ है, जिसे प्राप्त करने का प्रयत्न करते हुए कितनों ने विश्वास से भटककर अपने आपको विभिन्न प्रकार के दुःखों से छलनी बना लिया है।” तीतुस 1:11 (IRV) “इनका मुँह बन्द करना चाहिए: ये लोग नीच कमाई के लिये अनुचित बातें सिखाकर घर के घर बिगाड़ देते हैं।” 2 पतरस 2:3 (IRV) “और वे लोभ के लिये बातें गढ़कर तुम्हें अपने लाभ का कारण बनाएँगे, और जो दण्ड की आज्ञा उन पर पहले से हो चुकी है, उसके आने में कुछ भी देर नहीं, और उनका विनाश उँघता नहीं।” मीका 3:11 (IRV) “उसके प्रधान घूस ले लेकर विचार करते, और याजक दाम ले लेकर व्यवस्था देते हैं, और भविष्यद्वक्ता रुपये के लिये भावी कहते हैं; तो भी वे यह कहकर यहोवा पर भरोसा रखते हैं, “यहोवा हमारे बीच में है, इसलिए कोई विपत्ति हम पर न आएगी।”” यूहन्ना 2:16 (IRV) “और कबूतर बेचनेवालों से कहा, “इन्हें यहाँ से ले जाओ। मेरे पिता के भवन को व्यापार का घर मत बनाओ।”” डिडाके 11.6 (ANF 7): “यदि वह पैसा माँगे, तो वह झूठा भविष्यद्वक्ता है।” (ANF 7 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) प्रेरितिक नियम 29 (NPNF2 14): “यदि कोई बिशप, प्रेस्बिटर या डीकन धन के द्वारा वह पद प्राप्त करे, तो वह और जिसने उसे अभिषिक्त किया, दोनों पदच्युत किए जाएँ...” (NPNF2 14 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) खलकीदोन की महासभा (451), नियम 2 (NPNF2 14): “यदि कोई बिशप धन लेकर अभिषेक करे, और उस अनुग्रह को बिक्री पर रखे जो बेचा नहीं जा सकता...” (NPNF2 14 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

18 यूहन्ना 10:10 (IRV) “चोर किसी और काम के लिये नहीं परन्तु केवल चोरी करने और हत्या करने और नष्ट करने को आता है। मैं इसलिए आया कि वे जीवन पाएँ, और बहुतायत से पाएँ।” यूहन्ना 16:2 (IRV) “वे तुम्हें आराधनालयों में से निकाल देंगे, वरन् वह समय आता है, कि जो कोई तुम्हें मार डालेगा यह समझेगा कि मैं परमेश्वर की सेवा करता हूँ।” मत्ती 23:34–35 (IRV) “इसलिए देखो, मैं तुम्हारे पास भविष्यद्वक्ताओं और बुद्धिमानों और शास्त्रियों को भेजता हूँ; और तुम उनमें से कुछ को मार डालोगे, और क्रूस पर चढ़ाओगे; और कुछ को अपने आराधनालयों में कोड़े मारोगे, और एक नगर से दूसरे नगर में खदेड़ते फिरोगे। जिससे धर्मी हाबिल से लेकर बिरिक्याह के पुत्र जकर्याह तक, जिसे तुम ने मन्दिर और वेदी के बीच में मार डाला था, जितने धर्मियों का लहू पृथ्वी पर बहाया गया है, वह सब तुम्हारे सिर पर पड़ेगा।” यिर्मयाह 23:1–2 (IRV) ““उन चरवाहों पर हाय जो मेरी चराई की भेड़-बकरियों को तितर-बितर करते और नाश करते हैं,” यहोवा यह कहता है। इसलिए इस्राएल का परमेश्वर यहोवा अपनी प्रजा के चरवाहों से यह कहता है, “तुम ने मेरी भेड़-बकरियों की सुधि नहीं ली, वरन् उनको तितर-बितर किया और जबरन निकाल दिया है, इस कारण यहोवा की यह वाणी है कि मैं तुम्हारे बुरे कामों का दण्ड दूँगा।”

19 2 तीमुथियुस 4:2 (IRV) “कि तू वचन का प्रचार कर; समय और असमय तैयार रह, सब प्रकार की सहनशीलता, और शिक्षा के साथ उलाहना दे, और डाँट, और समझा।” तीतुस 1:9 (IRV) “और विश्वासयोग्य वचन पर जो धर्मोपदेश के अनुसार है, स्थिर रहे; कि खरी शिक्षा से उपदेश दे सके; और विवादियों का मुँह भी बन्द कर सके।” 1 तीमुथियुस 1:3 (IRV) “जैसे मैंने मकिदुनिया को जाते समय तुझे समझाया था, कि इफिसुस में रहकर कुछ लोगों को आज्ञा दे कि अन्य प्रकार की शिक्षा न दें,” 2 तीमुथियुस 2:25 (IRV) “और विरोधियों को नम्रता से समझाए, क्या जाने परमेश्वर उन्हें मन फिराव का मन दे, कि वे भी सत्य को पहचानें।” इफिसियों 4:14 (IRV) “ताकि हम आगे को बालक न

रहें, जो मनुष्यों की ठग-विद्या और चतुराई से उनके भ्रम की युक्तियों की, और उपदेश की, हर एक वायु से उछाले, और इधर-उधर घुमाए जाते हों।" प्रेरितों के काम 20:28–31 (IRV) "इसलिए अपनी और पूरे झुण्ड की देख-रेख करो; जिसमें पवित्र आत्मा ने तुम्हें अध्यक्ष ठहराया है कि तुम परमेश्वर की कलीसिया की रखवाली करो, जिसे उसने अपने लहू से मोल लिया है। मैं जानता हूँ, कि मेरे जाने के बाद फाड़नेवाले भेड़िए तुम में आएँगे, जो झुण्ड को न छोड़ेंगे। तुम्हारे ही बीच में से भी ऐसे-ऐसे मनुष्य उठेंगे, जो चेलों को अपने पीछे खींच लेने को टेढ़ी-मेढ़ी बातें कहेंगे। इसलिए जागते रहो, और स्मरण करो कि मैंने तीन वर्ष तक रात दिन आँसू बहा-बहाकर, हर एक को चितौनी देना न छोड़ा।" पॉलीकार्प, फिलिप्पियों के नाम 7 (ANF 1): "इसलिए बहुतों की व्यर्थता और उनकी झूठी शिक्षाओं को छोड़कर, आओ, हम उस वचन की ओर लौटें जो आरम्भ से हमें सौंपा गया है..." (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित); इग्नेशियस, मग्नेसियों के नाम 8 (ANF 1): "विचित्र शिक्षाओं से, और पुरानी कहानियों से, जो निष्फल हैं, धोखा न खाओ।" (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

20 प्रकाशितवाक्य 19:16 (IRV) "...राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु।" प्रकाशितवाक्य 17:14 (IRV) ""ये मेम्ने से लड़ेंगे, और मेम्ना उन पर जय पाएगा; क्योंकि वह प्रभुओं का प्रभु, और राजाओं का राजा है, और जो बुलाए हुए, चुने हुए और विश्वासयोग्य हैं, उसके साथ हैं, वे भी जय पाएँगे।"" 1 तीमुथियुस 6:15 (IRV) "जिसे वह ठीक समय पर दिखाएगा, जो परमधन्य और एकमात्र अधिपति और राजाओं का राजा, और प्रभुओं का प्रभु है," प्रेरितों के काम 5:29 (IRV) "तब पतरस और, अन्य प्रेरितों ने उत्तर दिया, "मनुष्यों की आज्ञा से बढ़कर परमेश्वर की आज्ञा का पालन करना ही हमारा कर्तव्य है।" कुलुस्सियों 3:24 (IRV) "क्योंकि तुम जानते हो कि तुम्हें इसके बदले प्रभु से विरासत मिलेगी। तुम प्रभु मसीह की सेवा करते हो।" मत्ती 6:24 (IRV) ""कोई मनुष्य दो स्वामियों की सेवा नहीं कर सकता, क्योंकि वह एक से बैर और दूसरे से प्रेम रखेगा, या एक से निष्ठावान रहेगा और दूसरे का तिरस्कार करेगा। तुम परमेश्वर और धन दोनों की सेवा नहीं कर सकते।"

21 मत्ती 7:15–16, 20 (IRV) ""झूठे भविष्यद्वक्ताओं से सावधान रहो, जो भेड़ों के भेष में तुम्हारे पास आते हैं, परन्तु अन्तर में फाड़नेवाले भेड़िए हैं। उनके फलों से तुम उन्हें पहचान लोगे..." मत्ती 24:11 (IRV) "बहुत से झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे, और बहुतों को बहकाएँगे।" मत्ती 24:24 (IRV) ""क्योंकि झूठे मसीह और झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे, और बड़े चिन्ह और अद्भुत काम दिखाएँगे, कि यदि हो सके तो चुने हुओं को भी बहका दें।" 1 यूहन्ना 4:1 (IRV) "हे प्रियों, हर एक आत्मा पर विश्वास न करो: वरन् आत्माओं को परखो, कि वे परमेश्वर की ओर से हैं कि नहीं; क्योंकि बहुत से झूठे भविष्यद्वक्ता जगत में निकल खड़े हुए हैं।" 2 कुरिन्थियों 11:13 (IRV) "क्योंकि ऐसे लोग झूठे प्रेरित, और छल से काम करनेवाले, और मसीह के प्रेरितों का रूप धरनेवाले हैं।" 2 पतरस 2:1–3 (IRV) "जिस प्रकार उन लोगों में झूठे भविष्यद्वक्ता थे उसी प्रकार तुम में भी झूठे उपदेशक होंगे, जो नाश करनेवाले पाखण्ड का उद्घाटन छिप छिपकर करेंगे और उस प्रभु का जिसने उन्हें मोल लिया है इन्कार करेंगे और अपने आपको शीघ्र विनाश में डाल देंगे। और बहुत सारे उनके समान लुचपन करेंगे, जिनके कारण सत्य के मार्ग की निन्दा की जाएगी। और वे लोभ के लिये बातें गढ़कर तुम्हें अपने लाभ का कारण बनाएँगे, और जो दण्ड की आज्ञा उन पर पहले से हो चुकी है, उसके आने में कुछ भी देर नहीं, और उनका विनाश उँघता नहीं।" यहूदा 4 (IRV) "क्योंकि कितने ऐसे मनुष्य चुपके से हम में आ मिले हैं, जिनसे इस दण्ड का वर्णन पुराने समय में पहले ही से लिखा गया था: ये भक्तिहीन हैं, और हमारे परमेश्वर के अनुग्रह को लुचपन में बदल डालते है, और हमारे एकमात्र स्वामी और प्रभु यीशु मसीह का इन्कार करते हैं।" प्रेरितों के काम 20:29–30 (IRV) "मैं जानता हूँ, कि मेरे जाने के बाद फाड़नेवाले भेड़िए तुम में आएँगे, जो झुण्ड को न छोड़ेंगे। तुम्हारे ही बीच में से भी ऐसे-ऐसे मनुष्य उठेंगे, जो चेलों को अपने पीछे खींच लेने को टेढ़ी-मेढ़ी बातें कहेंगे।" 1 तीमुथियुस 4:1–2 (IRV) "परन्तु आत्मा स्पष्टता से कहता है कि आनेवाले समयों में कितने लोग भरमानेवाली आत्माओं, और दुष्टात्माओं की शिक्षाओं पर मन लगाकर विश्वास से बहक जाएँगे, यह उन झूठे मनुष्यों के कपट के कारण होगा, जिनका विवेक मानो जलते हुए लोहे से दागा गया है," व्यवस्थाविवरण 13:1–5 (IRV) ""यदि तेरे बीच कोई भविष्यद्वक्ता या स्वप्न देखनेवाला प्रगट होकर तुझे कोई चिन्ह या चमत्कार दिखाए, और जिस चिन्ह या चमत्कार को प्रमाण ठहराकर वह तुझ से कहे, 'आओ हम पराए देवताओं के अनुयायी होकर, जिनसे तुम अब तक अनजान रहे, उनकी पूजा करें,' तब तुम उस भविष्यद्वक्ता या स्वप्न देखनेवाले के वचन पर कभी कान न रखना; क्योंकि तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हारी परीक्षा लेगा, जिससे यह जान ले, कि ये मुझसे अपने सारे मन और सारे प्राण के साथ प्रेम रखते हैं या नहीं? तुम अपने परमेश्वर यहोवा के पीछे चलना, और उसका भय मानना, और उसकी आज्ञाओं पर चलना, और उसका वचन मानना, और उसकी सेवा करना, और उसी से लिपटे रहना। और ऐसा भविष्यद्वक्ता या स्वप्न देखनेवाला जो तुम को तुम्हारे परमेश्वर यहोवा से फेर के, जिसने तुम को मिस्र देश से निकाला और दासत्व के घर से छुड़ाया है, तेरे उसी

परमेश्वर यहोवा के मार्ग से बहकाने की बात कहनेवाला ठहरेगा, इस कारण वह मार डाला जाए। इस रीति से तू अपने बीच में से ऐसी बुराई को दूर कर देना।" व्यवस्थाविवरण 18:20–22 (IRV) "परन्तु जो नबी अभिमान करके मेरे नाम से कोई ऐसा वचन कहे जिसकी आज्ञा मैंने उसे न दी हो, या पराए देवताओं के नाम से कुछ कहे, वह नबी मार डाला जाए।' और यदि तू अपने मन में कहे, 'जो वचन यहोवा ने नहीं कहा उसको हम किस रीति से पहचानें?' तो पहचान यह है कि जब कोई नबी यहोवा के नाम से कुछ कहे; तब यदि वह वचन न घटे और पूरा न हो जाए, तो वह वचन यहोवा का कहा हुआ नहीं; परन्तु उस नबी ने वह बात अभिमान करके कही है, तू उससे भय न खाना।" यिर्मयाह 23:16–32 (IRV) "सेनाओं के यहोवा ने तुम से यह कहा है: "इन भविष्यद्वक्ताओं की बातों की ओर जो तुम से भविष्यद्वाणी करते हैं कान मत लगाओ, क्योंकि ये तुम को व्यर्थ बातें सिखाते हैं; ये दर्शन का दावा करके यहोवा के मुख की नहीं, अपने ही मन की बातें कहते हैं। जो लोग मेरा तिरस्कार करते हैं उनसे ये भविष्यद्वक्ता सदा कहते रहते हैं कि यहोवा कहता है, 'तुम्हारा कल्याण होगा;' और जितने लोग अपने हठ ही पर चलते हैं, उनसे ये कहते हैं, 'तुम पर कोई विपत्ति न पड़ेगी।' " भला कौन यहोवा की गुप्त सभा में खड़ा होकर उसका वचन सुनने और समझने पाया है? या किसने ध्यान देकर मेरा वचन सुना है? देखो, यहोवा की जलजलाहट का प्रचण्ड बवण्डर और आँधी चलने लगी है; और उसका झोंका दुष्टों के सिर पर जोर से लगेगा। जब तक यहोवा अपना काम और अपनी युक्तियों को पूरी न कर चुके, तब तक उसका क्रोध शान्त न होगा। अन्त के दिनों में तुम इस बात को भली भाँति समझ सकोगे। "ये भविष्यद्वक्ता बिना मेरे भेजे दौड़ जाते और बिना मेरे कुछ कहे भविष्यद्वाणी करने लगते हैं। यदि ये मेरी शिक्षा में स्थिर रहते, तो मेरी प्रजा के लोगों को मेरे वचन सुनाते; और वे अपनी बुरी चाल और कामों से फिर जाते। "यहोवा की यह वाणी है, क्या मैं ऐसा परमेश्वर हूँ, जो दूर नहीं, निकट ही रहता हूँ? फिर यहोवा की यह वाणी है, क्या कोई ऐसे गुप्त स्थानों में छिप सकता है, कि मैं उसे न देख सकूँ? क्या स्वर्ग और पृथ्वी दोनों मुझसे परिपूर्ण नहीं हैं? मैंने इन भविष्यद्वक्ताओं की बातें भी सुनीं हैं जो मेरे नाम से यह कहकर झूठी भविष्यद्वाणी करते हैं, 'मैंने स्वप्न देखा है, स्वप्न!' जो भविष्यद्वक्ता झूठमूठ भविष्यद्वाणी करते और अपने मन ही के छल के भविष्यद्वक्ता हैं, यह बात कब तक उनके मन में समाई रहेगी? जैसे मेरी प्रजा के लोगों के पुरखा मेरा नाम भूलकर बाल का नाम लेने लगे थे, वैसे ही अब ये भविष्यद्वक्ता उन्हें अपने-अपने स्वप्न बता-बताकर मेरा नाम भुलाना चाहते हैं। यदि किसी भविष्यद्वक्ता ने स्वप्न देखा हो, तो वह उसे बताए, परन्तु जिस किसी ने मेरा वचन सुना हो तो वह मेरा वचन सच्चाई से सुनाए। यहोवा की यह वाणी है, कहाँ भूसा और कहाँ गेहूँ? यहोवा की यह भी वाणी है कि क्या मेरा वचन आग सा नहीं है? फिर क्या वह ऐसा हथौड़ा नहीं जो पत्थर को फोड़ डाले? यहोवा की यह वाणी है, देखो, जो भविष्यद्वक्ता मेरे वचन दूसरों से चुरा-चुराकर बोलते हैं, मैं उनके विरुद्ध हूँ। फिर यहोवा की यह भी वाणी है कि जो भविष्यद्वक्ता 'उसकी यह वाणी है', ऐसी झूठी वाणी कहकर अपनी-अपनी जीभ हिलाते हैं, मैं उनके भी विरुद्ध हूँ। यहोवा की यह भी वाणी है कि जो बिना मेरे भेजे या बिना मेरी आज्ञा पाए स्वप्न देखने का झूठा दावा करके भविष्यद्वाणी करते हैं, और उसका वर्णन करके मेरी प्रजा को झूठे घमण्ड में आकर भरमाते हैं, उनके भी मैं विरुद्ध हूँ; और उनसे मेरी प्रजा के लोगों का कुछ लाभ न होगा।" यहेजकेल 13:1–9 (IRV) "यहोवा का यह वचन मेरे पास पहुँचा, "हे मनुष्य के सन्तान, इस्राएल के जो भविष्यद्वक्ता अपने ही मन से भविष्यद्वाणी करते हैं, उनके विरुद्ध भविष्यद्वाणी करके तू कह, 'यहोवा का वचन सुनो।' प्रभु यहोवा यह कहता है: हाय, उन मूर्ख भविष्यद्वक्ताओं पर जो अपनी ही आत्मा के पीछे भटक जाते हैं, और कुछ दर्शन नहीं पाया! हे इस्राएल, तेरे भविष्यद्वक्ता खण्डहरों में की लोमड़ियों के समान बने हैं। तुम ने दरारों में चढ़कर इस्राएल के घराने के लिये दीवार नहीं सुधारी, जिससे वे यहोवा के दिन युद्ध में स्थिर रह सकते। वे लोग जो कहते हैं, 'यहोवा की यह वाणी है,' उन्होंने दर्शन का व्यर्थ और झूठा दावा किया है; और तब भी यह आशा दिलाई कि यहोवा यह वचन पूरा करेगा; तो भी यहोवा ने उन्हें नहीं भेजा। क्या तुम्हारा दर्शन झूठा नहीं है, और क्या तुम झूठमूठ भावी नहीं कहते? तुम कहते हो, 'यहोवा की यह वाणी है;' परन्तु मैंने कुछ नहीं कहा है।" इस कारण प्रभु यहोवा तुम से यह कहता है: "तुम ने जो व्यर्थ बात कही और झूठे दर्शन देखे हैं, इसलिए मैं तुम्हारे विरुद्ध हूँ, प्रभु यहोवा की यही वाणी है। जो भविष्यद्वक्ता झूठे दर्शन देखते और झूठमूठ भावी कहते हैं, मेरा हाथ उनके विरुद्ध होगा, और वे मेरी प्रजा की मण्डली में भागी न होंगे, न उनके नाम इस्राएल की नामावली में लिखे जाएँगे, और न वे इस्राएल के देश में प्रवेश करने पाएँगे; इससे तुम लोग जान लोगे कि मैं प्रभु यहोवा हूँ।" प्रकाशितवाक्य 2:2 (IRV) "मैं तेरे काम, और तेरे परिश्रम, और तेरे धीरज को जानता हूँ; और यह भी कि तू बुरे लोगों को तो देख नहीं सकता; और जो अपने आपको प्रेरित कहते हैं, और हैं नहीं, उन्हें तूने परखकर झूठा पाया।" डिडाके 11–12 (ANF 7): "परन्तु जो कोई आत्मा में होकर कहे, मुझे पैसा या कुछ और दो, तुम उसकी न सुनना..." (ANF 7 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) हर्मास, आज्ञा 11 (ANF 2): "जो मनुष्य कहता है कि वह आत्मा से प्रेरित है, उसे उसके कामों और उसके जीवन से परखो।" (ANF 2 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) इग्नेशियस, इफिसियों के नाम 7: "क्योंकि कुछ लोग दुष्ट छल से [यीशु मसीह का] नाम लिए फिरते हैं, जबकि वे ऐसे काम करते हैं जो परमेश्वर के योग्य नहीं; तुम्हें उनसे ऐसे भागना चाहिए जैसे जंगली पशुओं से।" (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) इफिसियों के

नाम 9: “फिर भी, मैंने कुछ लोगों के विषय में सुना है जो वहाँ से झूठी शिक्षा लेकर तुम्हारे पास आए; पर तुमने उन्हें अपने बीच बोने नहीं दिया, वरन् अपने कान बन्द कर लिए, ताकि जो कुछ उन्होंने बोया था उसे ग्रहण न करो...” (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) त्रालियों के नाम 6 (ANF 1): “उनके समान जो मीठे दाखमधु में घातक विष मिलाकर देते हैं।” (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) स्मुरनियों के नाम 4–5: “परन्तु मैं तुम्हें पहले से ही मनुष्य के रूप वाले उन पशुओं से सावधान करता हूँ, जिन्हें तुम्हें न केवल ग्रहण नहीं करना चाहिए, वरन् यदि हो सके तो उनसे मिलना भी नहीं चाहिए... कुछ लोग अज्ञानता से उनका इन्कार करते हैं, या यों कहें कि उन्हीं के द्वारा इन्कार किए गए हैं, क्योंकि वे सत्य के नहीं, वरन् मृत्यु के पक्षधर हैं।” (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) जस्टिन शहीद, त्रिफो के साथ संवाद 35 (ANF 1): “हे मेरे मित्रो, बहुत से ऐसे थे जिन्होंने यीशु के नाम से आगे आकर अधर्म और निन्दा की बातें कहना और करना सिखाया।” (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

22 तीतुस 1:13 (IRV) “...इसलिए उन्हें कड़ाई से चेतावनी दिया कर, कि वे विश्वास में पक्के हो जाएँ।” तीतुस 1:10–11 (IRV) “क्योंकि बहुत से अनुशासनहीन लोग, निरंकुश बकवादी और धोखा देनेवाले हैं; विशेष करके खतनावालों में से। इनका मुँह बन्द करना चाहिए: ये लोग नीच कमाई के लिये अनुचित बातें सिखाकर घर के घर बिगाड़ देते हैं।” तीतुस 3:10 (IRV) “किसी पाखण्डी को एक दो बार समझा बुझाकर उससे अलग रह।” रोमियों 16:17–18 (IRV) “अब हे भाइयों, मैं तुम से विनती करता हूँ, कि जो लोग उस शिक्षा के विपरीत जो तुम ने पाई है, फूट डालने, और ठोकर खिलाने का कारण होते हैं, उनसे सावधान रहो; और उनसे दूर रहो। क्योंकि ऐसे लोग हमारे प्रभु मसीह की नहीं, परन्तु अपने पेट की सेवा करते है; और चिकनी चुपड़ी बातों से सीधे सादे मन के लोगों को बहका देते हैं।” 1 तीमुथियुस 5:20 (IRV) “पाप करनेवालों को सब के सामने समझा दे, ताकि और लोग भी डरें।” 2 यूहन्ना 10–11 (IRV) “यदि कोई तुम्हारे पास आए, और यही शिक्षा न दे, उसे न तो घर में आने दो, और न नमस्कार करो। क्योंकि जो कोई ऐसे जन को नमस्कार करता है, वह उसके बुरे कामों में सहभागी होता है।” इफिसियों 5:11 (IRV) “और अंधकार के निष्फल कामों में सहभागी न हो, वरन् उन पर उलाहना दो।” गलातियों 2:11 (IRV) “पर जब कैफा अन्ताकिया में आया तो मैंने उसके मुँह पर उसका सामना किया, क्योंकि वह दोषी ठहरा था।” फिलिप्पियों 3:2 (IRV) “कुत्तों से चौकस रहो, उन बुरे काम करनेवालों से चौकस रहो, उन काट-कूट करनेवालों से चौकस रहो।” पॉलीकार्प, फिलिप्पियों के नाम 7 (ANF 1): “जो कोई यह अंगीकार नहीं करता कि यीशु मसीह देह में आए हैं, वह मसीह-विरोधी है...” (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

23 2 कुरिन्थियों 10:4–5 (IRV) “क्योंकि हमारी लड़ाई के हथियार शारीरिक नहीं, पर गढ़ों को ढा देने के लिये परमेश्वर के द्वारा सामर्थी हैं। हम कल्पनाओं को, और हर एक ऊँची बात को, जो परमेश्वर की पहचान के विरोध में उठती है, खण्डन करते हैं...” इफिसियों 6:11–17 (IRV) “परमेश्वर के सारे हथियार बाँध लो कि तुम शैतान की युक्तियों के सामने खड़े रह सको। क्योंकि हमारा यह मल्लयुद्ध, लहू और माँस से नहीं, परन्तु प्रधानों से और अधिकारियों से, और इस संसार के अंधकार के शासकों से, और उस दुष्टता की आत्मिक सेनाओं से है जो आकाश में हैं। इसलिए परमेश्वर के सारे हथियार बाँध लो कि तुम बुरे दिन में सामना कर सको, और सब कुछ पूरा करके स्थिर रह सको। इसलिए सत्य से अपनी कमर कसकर, और धार्मिकता की झिलम पहनकर, और पाँवों में मेल के सुसमाचार की तैयारी के जूते पहनकर; और उन सब के साथ विश्वास की ढाल लेकर स्थिर रहो जिससे तुम उस दुष्ट के सब जलते हुए तीरों को बुझा सको। और उद्धार का टोप, और आत्मा की तलवार जो परमेश्वर का वचन है, ले लो।” इब्रानियों 4:12 (IRV) “क्योंकि परमेश्वर का वचन जीवित, प्रबल, और हर एक दोधारी तलवार से भी बहुत तेज है, प्राण, आत्मा को, गाँठ-गाँठ, और गूदे-गूदे को अलग करके, आर-पार छेदता है; और मन की भावनाओं और विचारों को जाँचता है।” यिर्मयाह 1:10 (IRV) ““सुन, मैंने आज के दिन तुझे जातियों और राज्यों पर ठहराया है; उन्हें गिराने और ढा देने के लिये, नाश करने और काट डालने के लिये, उन्हें बनाने और रोपने के लिये।”” यिर्मयाह 23:29 (IRV) “यहोवा की यह भी वाणी है कि क्या मेरा वचन आग सा नहीं है? फिर क्या वह ऐसा हथौड़ा नहीं जो पत्थर को फोड़ डाले?” उत्पत्ति 3:4–5 (IRV) “तब सर्प ने स्त्री से कहा, “तुम निश्चय न मरोगे वरन् परमेश्वर आप जानता है कि जिस दिन तुम उसका फल खाओगे उसी दिन तुम्हारी आँखें खुल जाएँगी, और तुम भले बुरे का ज्ञान पाकर परमेश्वर के तुल्य हो जाओगे।”” यूहन्ना 8:44 (IRV) “तुम अपने पिता शैतान से हो, और अपने पिता की लालसाओं को पूरा करना चाहते हो। वह तो आरम्भ से हत्यारा है, और सत्य पर स्थिर न रहा, क्योंकि सत्य उसमें है ही नहीं; जब वह झूठ बोलता, तो अपने स्वभाव ही से बोलता है; क्योंकि वह झूठा है, वरन् झूठ का पिता है।” मत्ती 23:34–35 (IRV) “इसलिए देखो, मैं तुम्हारे पास भविष्यद्वक्ताओं और बुद्धिमानों और शास्त्रियों को भेजता हूँ; और तुम उनमें से कुछ को मार डालोगे, और क्रूस पर चढ़ाओगे; और कुछ को अपने आराधनालयों में कोड़े मारोगे, और एक नगर से दूसरे नगर में खदेड़ते फिरोगे। जिससे धर्मी हाबिल से लेकर बिरिक्याह के पुत्र जकर्याह तक, जिसे तुम ने मन्दिर

और वेदी के बीच में मार डाला था, जितने धर्मियों का लहू पृथ्वी पर बहाया गया है, वह सब तुम्हारे सिर पर पड़ेगा।" लूका 11:49–51 (IRV) "इसलिए परमेश्वर की बुद्धि ने भी कहा है, कि मैं उनके पास भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितों को भेजूँगी, और वे उनमें से कितनों को मार डालेंगे, और कितनों को सताएँगे। ताकि जितने भविष्यद्वक्ताओं का लहू जगत की उत्पत्ति से बहाया गया है, सब का लेखा, इस युग के लोगों से लिया जाए, हाबिल की हत्या से लेकर जकर्याह की हत्या तक जो वेदी और मन्दिर के बीच में मारा गया: मैं तुम से सच कहता हूँ; उसका लेखा इसी समय के लोगों से लिया जाएगा।"

24 2 कुरिन्थियों 11:14 (IRV) "और यह कुछ अचम्भे की बात नहीं क्योंकि शैतान आप भी ज्योतिर्मय स्वर्गदूत का रूप धारण करता है।" 2 कुरिन्थियों 11:15 (IRV) "इसलिए यदि उसके सेवक भी धार्मिकता के सेवकों जैसा रूप धरें, तो कुछ बड़ी बात नहीं, परन्तु उनका अन्त उनके कामों के अनुसार होगा।" अथानासियस, एंटनी का जीवन 25, 35–36 (NPNF2 4): दुष्टात्माएँ "भिक्षुओं का रूप धारण करती हैं और पवित्र जनों की सी बोली का स्वांग करती हैं" (NPNF2 4 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित); और, सच्चे दर्शन के विषय में, "उसके स्थान पर अकथनीय आनन्द, प्रसन्नता, साहस, नया बल और विचारों की शान्ति आती है" (NPNF2 4 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित); दुष्ट आत्माओं के विषय में, "मन में भय, विचारों में उथल-पुथल और घबराहट, उदासी।" (NPNF2 4 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

25 मत्ती 24:5 (IRV) "क्योंकि बहुत से ऐसे होंगे जो मेरे नाम से आकर कहेंगे, 'मैं मसीह हूँ', और बहुतों को बहका देंगे।" मत्ती 24:11 (IRV) "बहुत से झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे, और बहुतों को बहकाएँगे।" मत्ती 24:24 (IRV) ""क्योंकि झूठे मसीह और झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे, और बड़े चिन्ह और अद्भुत काम दिखाएँगे, कि यदि हो सके तो चुने हुओं को भी बहका दें।" प्रकाशितवाक्य 12:9 (IRV) "और वह बड़ा अजगर अर्थात् वही पुराना साँप, जो शैतान कहलाता है, और सारे संसार का भरमानेवाला है, पृथ्वी पर गिरा दिया गया; और उसके दूत उसके साथ गिरा दिए गए।" 2 थिस्सलुनीकियों 2:9–11 (IRV) "उस अधर्मी का आना शैतान के कार्य के अनुसार सब प्रकार की झूठी सामर्थ्य, चिन्ह, और अद्भुत काम के साथ, और नाश होनेवालों के लिये अधर्म के सब प्रकार के धोखे के साथ होगा; क्योंकि उन्होंने सत्य के प्रेम को ग्रहण नहीं किया जिससे उनका उद्धार होता। और इसी कारण परमेश्वर उनमें एक भटका देनेवाली सामर्थ्य को भेजेगा ताकि वे झूठ पर विश्वास करें।" 1 तीमुथियुस 4:1 (IRV) "परन्तु आत्मा स्पष्टता से कहता है कि आनेवाले समयों में कितने लोग भरमानेवाली आत्माओं, और दुष्टात्माओं की शिक्षाओं पर मन लगाकर विश्वास से बहक जाएँगे,"

26 मत्ती 28:18–20 (IRV) "यीशु ने उनके पास आकर कहा, "स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिए तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ; और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैंने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ और देखो, मैं जगत के अन्त तक सदैव तुम्हारे संग हूँ।"" मरकुस 16:15 (IRV) "...तुम सारे जगत में जाकर सारी सृष्टि के लोगों को सुसमाचार प्रचार करो।" लूका 24:46–48 (IRV) "और उनसे कहा, "यह लिखा है कि मसीह दुःख उठाएगा, और तीसरे दिन मरे हुओं में से जी उठेगा, और यरूशलेम से लेकर सब जातियों में मन फिराव का और पापों की क्षमा का प्रचार, उसी के नाम से किया जाएगा। तुम इन सब बातें के गवाह हो।" प्रेरितों के काम 1:8 (IRV) "परन्तु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ्य पाओगे; और यरूशलेम और सारे यहूदिया और सामरिया में, और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होंगे।"" मत्ती 24:14 (IRV) "और राज्य का यह सुसमाचार सारे जगत में प्रचार किया जाएगा, कि सब जातियों पर गवाही हो, तब अन्त आ जाएगा।" रोमियों 10:14–18 (IRV) "फिर जिस पर उन्होंने विश्वास नहीं किया, वे उसका नाम क्यों लें? और जिसकी नहीं सुनी उस पर क्यों विश्वास करें? और प्रचारक बिना क्यों सुनें? और यदि भेजे न जाएँ, तो क्यों प्रचार करें? जैसा लिखा है, "उनके पाँव क्या ही सुहावने हैं, जो अच्छी बातों का सुसमाचार सुनाते हैं!" परन्तु सब ने उस सुसमाचार पर कान न लगाया। यशायाह कहता है, "हे प्रभु, किसने हमारे समाचार पर विश्वास किया है?" इसलिए विश्वास सुनने से, और सुनना मसीह के वचन से होता है। परन्तु मैं कहता हूँ, "क्या उन्होंने नहीं सुना?" सुना तो सही क्योंकि लिखा है, "उनके स्वर सारी पृथ्वी पर, और उनके वचन जगत के छोर तक पहुँच गए हैं।"" प्रकाशितवाक्य 14:6 (IRV) "फिर मैंने एक और स्वर्गदूत को आकाश के बीच में उड़ते हुए देखा जिसके पास पृथ्वी पर के रहनेवालों की हर एक जाति, कुल, भाषा, और लोगों को सुनाने के लिये सनातन सुसमाचार था।" यूसेबियस, कलीसियाई इतिहास III.1 (NPNF2 1): "परम्परा के अनुसार, पार्थिया थोमा को उनके कार्यक्षेत्र के रूप में सौंपा गया, सिथिया अन्द्रियास को, और आसिया यूहन्ना को..." (NPNF2 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) तर्तुलियन, प्रतिवाद 37 (ANF 3): "हम तो कल ही के हैं, फिर भी हमने तुम्हारे बीच हर स्थान भर दिया है..." (ANF 3 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

27 प्रेरितों के काम 2:42 (IRV) “और वे प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने में और रोटी तोड़ने में और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।” 2 थिस्सलुनीकियों 2:15 (IRV) “इसलिए, हे भाइयों, स्थिर रहो; और जो शिक्षा तुम ने हमारे वचन या पत्र के द्वारा प्राप्त किया है, उन्हें थामे रहो।” 1 कुरिन्थियों 11:2 (IRV) “मैं तुम्हें सराहता हूँ, कि सब बातों में तुम मुझे स्मरण करते हो; और जो व्यवहार मैंने तुम्हें सौंप दिए हैं, उन्हें धारण करते हो।” 1 कुरिन्थियों 15:1–4 (IRV) “हे भाइयों, मैं तुम्हें वही सुसमाचार बताता हूँ जो पहले सुना चुका हूँ, जिसे तुम ने अंगीकार भी किया था और जिसमें तुम स्थिर भी हो। उसी के द्वारा तुम्हारा उद्धार भी होता है, यदि उस सुसमाचार को जो मैंने तुम्हें सुनाया था स्मरण रखते हो; नहीं तो तुम्हारा विश्वास करना व्यर्थ हुआ। इसी कारण मैंने सबसे पहले तुम्हें वही बात पहुँचा दी, जो मुझे पहुँची थी, कि पवित्रशास्त्र के वचन के अनुसार यीशु मसीह हमारे पापों के लिये मर गया। और गाड़ा गया; और पवित्रशास्त्र के अनुसार तीसरे दिन जी भी उठा।” यहूदा 3 (IRV) “हे प्रियों, जब मैं तुम्हें उस उद्धार के विषय में लिखने में अत्यन्त परिश्रम से प्रयत्न कर रहा था, जिसमें हम सब सहभागी हैं; तो मैंने तुम्हें यह समझाना आवश्यक जाना कि उस विश्वास के लिये पूरा यत्न करो जो पवित्र लोगों को एक ही बार सौंपा गया था।” 1 थिस्सलुनीकियों 5:21 (IRV) “सब बातों को परखो जो अच्छी है उसे पकड़े रहो।”

28 मरकुस 7:7–8 (IRV) “और ये व्यर्थ मेरी उपासना करते हैं, क्योंकि मनुष्यों की आज्ञाओं को धर्मोपदेश करके सिखाते हैं।’ क्योंकि तुम परमेश्वर की आज्ञा को टालकर मनुष्यों की रीतियों को मानते हो।” मरकुस 7:13 (IRV) “इस प्रकार तुम अपनी परम्पराओं से, जिन्हें तुम ने ठहराया है, परमेश्वर का वचन टाल देते हो; और ऐसे-ऐसे बहुत से काम करते हो।”” मत्ती 15:9 (IRV) “और ये व्यर्थ मेरी उपासना करते हैं, क्योंकि मनुष्य की विधियों को धर्मोपदेश करके सिखाते हैं।’ ”” यशायाह 29:13 (IRV) “प्रभु ने कहा, “ये लोग जो मुँह से मेरा आदर करते हुए समीप आते परन्तु अपना मन मुझसे दूर रखते हैं, और जो केवल मनुष्यों की आज्ञा सुन सुनकर मेरा भय मानते हैं,” कुलुस्सियों 2:8 (IRV) “चौकस रहो कि कोई तुम्हें उस तत्व-ज्ञान और व्यर्थ धोखे के द्वारा अहेर न कर ले, जो मनुष्यों की परम्पराओं और संसार की आदि शिक्षा के अनुसार है, पर मसीह के अनुसार नहीं।” कुलुस्सियों 2:20–22 (IRV) “जबकि तुम मसीह के साथ संसार की आदि शिक्षा की ओर से मर गए हो, तो फिर क्यों उनके समान जो संसार में जीवन बिताते हैं और ऐसी विधियों के वश में क्यों रहते हो? कि ‘यह न छूना,’ ‘उसे न चखना,’ और ‘उसे हाथ न लगाना’?, क्योंकि ये सब वस्तु काम में लाते-लाते नाश हो जाएँगी क्योंकि ये मनुष्यों की आज्ञाओं और शिक्षाओं के अनुसार है।” तीतुस 1:14 (IRV) “यहूदियों की कथा कहानियों और उन मनुष्यों की आज्ञाओं पर मन न लगाएँ, जो सत्य से भटक जाते हैं।” तर्तुलियन, कुँवारियों के घूँघट पर 1 (ANF 4): “परन्तु हमारे प्रभु मसीह ने अपने आप को सत्य कहा है, रीति नहीं।” (ANF 4 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) साइप्रियन, पत्र 73.9 (ANF 5; Oxford 74): “...क्योंकि सत्य के बिना रीति त्रुटि की प्राचीनता है।” (ANF 5 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) इरेनियस, विधर्मों के विरुद्ध III.4.1–2: “इसलिए जब हमारे पास ऐसे प्रमाण हैं, तो उस सत्य को दूसरों के बीच खोजना आवश्यक नहीं जो कलीसिया से सहज ही प्राप्त हो सकता है... इस प्रकार, प्रेरितों की उस प्राचीन परम्परा के द्वारा, वे अपने मन को इन शिक्षकों की विचित्र भाषा से [सुझाई गई शिक्षाओं] में से कुछ भी ग्रहण करने नहीं देते...” (अंग्रेज़ी से अनूदित) लेरिन्स के विंसेंट, Commonitorium 2 (NPNF2 11): “हम उस विश्वास को थामे रहते हैं जिस पर हर जगह, सदा, और सब के द्वारा विश्वास किया गया है।” (NPNF2 11 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

29 1 तीमुथियुस 4:1 (IRV) “परन्तु आत्मा स्पष्टता से कहता है कि आनेवाले समयों में कितने लोग भरमानेवाली आत्माओं, और दुष्टात्माओं की शिक्षाओं पर मन लगाकर विश्वास से बहक जाएँगे,” 1 तीमुथियुस 4:2–3 (IRV) “यह उन झूठे मनुष्यों के कपट के कारण होगा, जिनका विवेक मानो जलते हुए लोहे से दागा गया है, जो विवाह करने से रोकेंगे, और भोजन की कुछ वस्तुओं से परे रहने की आज्ञा देंगे; जिन्हें परमेश्वर ने इसलिए सृजा कि विश्वासी और सत्य के पहचाननेवाले उन्हें धन्यवाद के साथ खाएँ।” याकूब 3:15 (IRV) “यह ज्ञान वह नहीं, जो ऊपर से उतरता है वरन् सांसारिक, और शारीरिक, और शैतानी है।” 2 कुरिन्थियों 11:3–4 (IRV) “परन्तु मैं डरता हूँ कि जैसे साँप ने अपनी चतुराई से हव्वा को बहकाया, वैसे ही तुम्हारे मन उस सिधाई और पवित्रता से जो मसीह के साथ होनी चाहिए कहीं भ्रष्ट न किए जाएँ। यदि कोई तुम्हारे पास आकर, किसी दूसरे यीशु का प्रचार करे, जिसका प्रचार हमने नहीं किया या कोई और आत्मा तुम्हें मिले; जो पहले न मिला था; या और कोई सुसमाचार जिसे तुम ने पहले न माना था, तो तुम्हारा सहना ठीक होता।”

30 यूहन्ना 17:21 (IRV) “कि वे सब एक हों; जैसा तू हे पिता मुझ में हैं, और मैं तुझ में हूँ, वैसे ही वे भी हम में हों, इसलिए कि जगत विश्वास करे, कि तू ही ने मुझे भेजा।” यूहन्ना 17:20–23 (IRV) ““मैं केवल इन्हीं के लिये विनती नहीं करता, परन्तु उनके लिये भी जो इनके वचन के द्वारा मुझ पर विश्वास करेंगे, कि वे सब एक हों; जैसा तू हे पिता मुझ में हैं, और मैं तुझ में हूँ, वैसे ही वे भी हम में हों, इसलिए कि जगत विश्वास

करे, कि तू ही ने मुझे भेजा। और वह महिमा जो तूने मुझे दी, मैंने उन्हें दी है कि वे वैसे ही एक हों जैसे कि हम एक हैं। मैं उनमें और तू मुझ में कि वे सिद्ध होकर एक हो जाएँ, और जगत जाने कि तू ही ने मुझे भेजा, और जैसा तूने मुझसे प्रेम रखा, वैसा ही उनसे प्रेम रखा।" इफिसियों 4:3–6 (IRV) "और मेल के बन्धन में आत्मा की एकता रखने का यत्न करो। एक ही देह है, और एक ही आत्मा; जैसे तुम्हें जो बुलाए गए थे अपने बुलाए जाने से एक ही आशा है। एक ही प्रभु है, एक ही विश्वास, एक ही बपतिस्मा, और सब का एक ही परमेश्वर और पिता है, जो सब के ऊपर और सब के मध्य में, और सब में है।" इफिसियों 4:13 (IRV) "जब तक कि हम सब के सब विश्वास, और परमेश्वर के पुत्र की पहचान में एक न हो जाएँ, और एक सिद्ध मनुष्य न बन जाएँ और मसीह के पूरे डील-डौल तक न बढ़ जाएँ।" 1 कुरिन्थियों 1:10 (IRV) "हे भाइयों, मैं तुम से यीशु मसीह जो हमारा प्रभु है उसके नाम के द्वारा विनती करता हूँ, कि तुम सब एक ही बात कहो और तुम में फूट न हो, परन्तु एक ही मन और एक ही मत होकर मिले रहो।" रोमियों 12:5 (IRV) "वैसा ही हम जो बहुत हैं, मसीह में एक देह होकर आपस में एक दूसरे के अंग हैं।" कुलुस्सियों 3:14–15 (IRV) "और इन सब के ऊपर प्रेम को जो सिद्धता का कमरबन्ध है बाँध लो। और मसीह की शान्ति, जिसके लिये तुम एक देह होकर बुलाए भी गए हो, तुम्हारे हृदय में राज्य करे, और तुम धन्यवादी बने रहो।" भजन संहिता 133:1 (IRV) "देखो, यह क्या ही भली और मनोहर बात है कि भाई लोग आपस में मिले रहें!" 1 क्लेमेंट 46 (ANF 1): "तुम्हारे बीच झगड़े, और उपद्रव, और फूट, और विभाजन, और लड़ाइयाँ क्यों हैं?" (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) इग्नेशियस, इफिसियों के नाम 4–5: "इसलिए यह लाभदायक है कि तुम निर्दोष एकता में जीवन बिताओ, ताकि तुम सदा परमेश्वर के साथ संगति का आनन्द ले सको। ... तो मैं तुम्हें और कितना अधिक धन्य समझता हूँ, जो उनसे ऐसे जुड़े हो जैसे कलीसिया यीशु मसीह से, और जैसे यीशु मसीह पिता से जुड़े हैं, ताकि सब बातें एकता में मेल खाएँ!" (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित); फिलाडेल्फियों के नाम 3: "यदि कोई मनुष्य उसके पीछे चले जो कलीसिया में फूट डालता है, तो वह परमेश्वर के राज्य का वारिस न होगा।" (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) साइप्रियन, कलीसिया की एकता पर 5–6: "और इस एकता को हमें दृढ़ता से थामे रहना और उसका समर्थन करना चाहिए, विशेषकर हम जो बिशप हैं और कलीसिया में अध्यक्षता करते हैं, ताकि हम यह भी प्रमाणित करें कि बिशप-पद स्वयं एक और अविभाजित है। ... जिसकी माता कलीसिया नहीं, उसके पिता परमेश्वर नहीं हो सकते।" (अंग्रेज़ी से अनूदित)

31 मत्ती 24:21 (IRV) "क्योंकि उस समय ऐसा भारी क्लेश होगा, जैसा जगत के आरम्भ से न अब तक हुआ, और न कभी होगा।" मत्ती 24:22 (IRV) "और यदि वे दिन घटाए न जाते, तो कोई प्राणी न बचता; परन्तु चुने हुओं के कारण वे दिन घटाए जाएँगे।" मत्ती 24:29 (IRV) ""उन दिनों के क्लेश के बाद तुरन्त सूर्य अंधियारा हो जाएगा, और चाँद का प्रकाश जाता रहेगा, और तारे आकाश से गिर पड़ेंगे और आकाश की शक्तियाँ हिलाई जाएँगी।" मरकुस 13:19–20 (IRV) "क्योंकि वे दिन ऐसे क्लेश के होंगे, कि सृष्टि के आरम्भ से जो परमेश्वर ने रची है अब तक न तो हुए, और न कभी फिर होंगे। और यदि प्रभु उन दिनों को न घटाता, तो कोई प्राणी भी न बचता; परन्तु उन चुने हुओं के कारण जिनको उसने चुना है, उन दिनों को घटाया।" दानिय्येल 12:1 (IRV) ""उसी समय मीकाएल नाम का बड़ा प्रधान, जो तेरे जातिभाइयों का पक्ष करने को खड़ा रहता है, वह उठेगा। तब ऐसे संकट का समय होगा, जैसा किसी जाति के उत्पन्न होने के समय से लेकर अब तक कभी न हुआ होगा; परन्तु उस समय तेरे लोगों में से जितनों के नाम परमेश्वर की पुस्तक में लिखे हुए हैं, वे बच निकलेंगे।" दानिय्येल 7:21–25 (IRV) ""और मैंने देखा था कि वह सींग पवित्र लोगों के संग लड़ाई करके उन पर उस समय तक प्रबल भी हो गया, जब तक वह अति प्राचीन न आया, और परमप्रधान के पवित्र लोग न्यायी न ठहरे, और उन पवित्र लोगों के राज्याधिकारी होने का समय न आ पहुँचा। "उसने कहा, 'उस चौथे जन्तु का अर्थ, एक चौथा राज्य है, जो पृथ्वी पर होकर और सब राज्यों से भिन्न होगा, और सारी पृथ्वी को नाश करेगा, और दाँवकर चूर-चूर करेगा। और उन दस सींगों का अर्थ यह है, कि उस राज्य में से दस राजा उठेंगे, और उनके बाद उन पहलों से भिन्न एक और राजा उठेगा, जो तीन राजाओं को गिरा देगा। और वह परमप्रधान के विरुद्ध बातें कहेगा, और परमप्रधान के पवित्र लोगों को पीस डालेगा, और समयों और व्यवस्था के बदल देने की आशा करेगा, वरन् साढ़े तीन काल तक वे सब उसके वश में कर दिए जाएँगे।" प्रकाशितवाक्य 7:14 (IRV) "मैंने उससे कहा, "हे स्वामी, तू ही जानता है।" उसने मुझसे कहा, "ये वे हैं, जो उस महाक्लेश में से निकलकर आए हैं; इन्होंने अपने-अपने वस्त्र मेम्ने के लहू में धोकर श्वेत किए हैं।" प्रकाशितवाक्य 13:7 (IRV) "उसे यह अधिकार दिया गया, कि पवित्र लोगों से लड़े, और उन पर जय पाए..." डिडाके 16 (ANF 7): "अपने जीवन के लिए जागते रहो ... तैयार रहो, क्योंकि तुम नहीं जानते कि हमारे प्रभु किस घड़ी आएँगे।" (ANF 7 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) बरनबास की पत्री 4: "अन्तिम ठोकर का पत्थर (या संकट का स्रोत) निकट आ रहा है, जिसके विषय में लिखा है, जैसा हनोक कहता है..." (अंग्रेज़ी से अनूदित); यरूशलेम के सिरिल, धर्मशिक्षा व्याख्यान 15: "तो फिर वह धन्य मनुष्य कौन है, जो

उस समय भक्ति के साथ मसीह की गवाही देगा? ... क्योंकि अब तक के शहीदों ने केवल मनुष्यों से मल्लयुद्ध किया है; परन्तु मसीह-विरोधी के समय में वे स्वयं शैतान से, उसके अपने व्यक्तित्व में, युद्ध करेंगे।" (अंग्रेज़ी से अनूदित)

32 टिप्पणी 7 देखें।

33 1 यूहन्ना 2:18 (IRV) "हे लड़कों, यह अन्तिम समय है, और जैसा तुम ने सुना है, कि मसीह का विरोधी आनेवाला है, उसके अनुसार अब भी बहुत से मसीह के विरोधी उठे हैं..." 1 यूहन्ना 2:22 (IRV) "झूठा कौन है? वह, जो यीशु के मसीह होने का इन्कार करता है; और मसीह का विरोधी वही है, जो पिता का और पुत्र का इन्कार करता है।" 1 यूहन्ना 4:3 (IRV) "और जो कोई आत्मा यीशु को नहीं मानती, वह परमेश्वर की ओर से नहीं है; यही मसीह के विरोधी की आत्मा है; जिसकी चर्चा तुम सुन चुके हो, कि वह आनेवाला है और अब भी जगत में है।" 2 यूहन्ना 7 (IRV) "क्योंकि बहुत से ऐसे भरमानेवाले जगत में निकल आए हैं, जो यह नहीं मानते, कि यीशु मसीह शरीर में होकर आया; भरमानेवाला और मसीह का विरोधी यही है।" 2 थिस्सलुनीकियों 2:3–10 (IRV) "किसी रीति से किसी के धोखे में न आना क्योंकि वह दिन न आएगा, जब तक विद्रोह नहीं होता, और वह अधर्मी पुरुष अर्थात् विनाश का पुत्र प्रगट न हो। जो विरोध करता है, और हर एक से जो परमेश्वर, या पूज्य कहलाता है, अपने आपको बड़ा ठहराता है, यहाँ तक कि वह परमेश्वर के मन्दिर में बैठकर अपने आपको परमेश्वर प्रगट करता है। क्या तुम्हें स्मरण नहीं, कि जब मैं तुम्हारे यहाँ था, तो तुम से ये बातें कहा करता था? और अब तुम उस वस्तु को जानते हो, जो उसे रोक रही है, कि वह अपने ही समय में प्रगट हो। क्योंकि अधर्म का भेद अब भी कार्य करता जाता है, पर अभी एक रोकनेवाला है, और जब तक वह दूर न हो जाए, वह रोके रहेगा। तब वह अधर्मी प्रगट होगा, जिसे प्रभु यीशु अपने मुँह की फूँक से मार डालेगा, और अपने आगमन के तेज से भस्म करेगा। उस अधर्मी का आना शैतान के कार्य के अनुसार सब प्रकार की झूठी सामर्थ्य, चिन्ह, और अद्भुत काम के साथ, और नाश होनेवालों के लिये अधर्म के सब प्रकार के धोखे के साथ होगा; क्योंकि उन्होंने सत्य के प्रेम को ग्रहण नहीं किया जिससे उनका उद्धार होता।" प्रकाशितवाक्य 12:18–13:8 (IRV) "और वह समुद्र के रेत पर जा खड़ा हुआ। मैंने एक पशु को समुद्र में से निकलते हुए देखा, जिसके दस सींग और सात सिर थे। उसके सींगों पर दस राजमुकुट, और उसके सिरों पर परमेश्वर की निन्दा के नाम लिखे हुए थे। जो पशु मैंने देखा, वह चीते के समान था; और उसके पाँव भालू के समान, और मुँह सिंह के समान था। और उस अजगर ने अपनी सामर्थ्य, और अपना सिंहासन, और बड़ा अधिकार, उसे दे दिया। मैंने उसके सिरों में से एक पर ऐसा भारी घाव लगा देखा, मानो वह मरने पर है; फिर उसका प्राणघातक घाव अच्छा हो गया, और सारी पृथ्वी के लोग उस पशु के पीछे-पीछे अचम्भा करते हुए चले। उन्होंने अजगर की पूजा की, क्योंकि उसने पशु को अपना अधिकार दे दिया था, और यह कहकर पशु की पूजा की, "इस पशु के समान कौन है? कौन इससे लड़ सकता है?" बड़े बोल बोलने और निन्दा करने के लिये उसे एक मुँह दिया गया, और उसे बयालीस महीने तक काम करने का अधिकार दिया गया। और उसने परमेश्वर की निन्दा करने के लिये मुँह खोला, कि उसके नाम और उसके तम्बू अर्थात् स्वर्ग के रहनेवालों की निन्दा करे। उसे यह अधिकार दिया गया, कि पवित्र लोगों से लड़े, और उन पर जय पाए, और उसे हर एक कुल, लोग, भाषा, और जाति पर अधिकार दिया गया। पृथ्वी के वे सब रहनेवाले जिनके नाम उस मेम्ने की जीवन की पुस्तक में लिखे नहीं गए, जो जगत की उत्पत्ति के समय से घात हुआ है, उस पशु की पूजा करेंगे।" प्रकाशितवाक्य 17:12–14 (IRV) "जो दस सींग तूने देखे वे दस राजा हैं; जिन्होंने अब तक राज्य नहीं पाया; पर उस पशु के साथ घड़ी भर के लिये राजाओं के समान अधिकार पाएँगे। ये सब एक मन होंगे, और वे अपनी-अपनी सामर्थ्य और अधिकार उस पशु को देंगे। "ये मेम्ने से लड़ेंगे, और मेम्ना उन पर जय पाएगा; क्योंकि वह प्रभुओं का प्रभु, और राजाओं का राजा है, और जो बुलाए हुए, चुने हुए और विश्वासयोग्य हैं, उसके साथ हैं, वे भी जय पाएँगे।"" दानिय्येल 7:8 (IRV) "मैं उन सींगों को ध्यान से देख रहा था तो क्या देखा कि उनके बीच एक और छोटा सा सींग निकला, और उसके बल से उन पहले सींगों में से तीन उखाड़े गए; फिर मैंने देखा कि इस सींग में मनुष्य की सी आँखें, और बड़ा बोल बोलनेवाला मुँह भी है।" दानिय्येल 7:25 (IRV) "और वह परमप्रधान के विरुद्ध बातें कहेगा, और परमप्रधान के पवित्र लोगों को पीस डालेगा, और समयों और व्यवस्था के बदल देने की आशा करेगा, वरन् साढ़े तीन काल तक वे सब उसके वश में कर दिए जाएँगे।" इरेनियस, विधर्मों के विरुद्ध V.25.1 (ANF 1): मसीह-विरोधी, "धर्मत्यागी और डाकू होने के कारण, परमेश्वर के रूप में पूजा जाना चाहता है" (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित); V.30.2–3: "... वे पहले तो राज्य के दस भागों में विभाजन की प्रतीक्षा करें; फिर उसके बाद, जब ये राजा राज्य कर रहे हों, और अपने कार्यों को व्यवस्थित करने और अपने राज्य को बढ़ाने लगे हों, तब [वे सीखें कि] यह पहचानें कि जो राज्य को अपने लिए माँगता हुआ आएगा, और उन मनुष्यों को भयभीत करेगा जिनके विषय में हम कह रहे हैं, और जिसके नाम में उपर्युक्त संख्या होगी, वह सचमुच उजाड़नेवाली घृणित वस्तु है। ... इसलिए अटकलें लगाने और जो भी नाम सामने आएँ उन्हें खोजते फिरने की अपेक्षा, भविष्यद्वाणी के पूरे होने की प्रतीक्षा करना अधिक

निश्चित और कम जोखिम भरा है...” (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) हिप्पोलिटस, मसीह और मसीह-विरोधी पर निबंध: “जैसे हमारे प्रभु यीशु मसीह, जो परमेश्वर भी हैं, अपने राजत्व और महिमा के कारण सिंह के रूप में भविष्यद्वाणी में बताए गए, वैसे ही पवित्रशास्त्र ने पहले से मसीह-विरोधी के विषय में भी सिंह के रूप में कहा है।” (अंग्रेज़ी से अनूदित) यरूशलेम के सिरिल, धर्मशिक्षा व्याख्यान 15.12 (NPNF2 7): “रोमियों के दस राजा एक साथ उठेंगे ... और इनके बाद एक ग्यारहवाँ, अर्थात मसीह-विरोधी।” (NPNF2 7 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

34 गलातियों 1:6–9 (IRV) “मुझे आश्चर्य होता है, कि जिसने तुम्हें मसीह के अनुग्रह से बुलाया उससे तुम इतनी जल्दी फिरकर और ही प्रकार के सुसमाचार की ओर झुकने लगे। परन्तु वह दूसरा सुसमाचार है ही नहीं पर बात यह है, कि कितने ऐसे हैं, जो तुम्हें घबरा देते, और मसीह के सुसमाचार को बिगाड़ना चाहते हैं। परन्तु यदि हम या स्वर्ग से कोई दूत भी उस सुसमाचार को छोड़ जो हमने तुम को सुनाया है, कोई और सुसमाचार तुम्हें सुनाए, तो श्रापित हो। जैसा हम पहले कह चुके हैं, वैसा ही मैं अब फिर कहता हूँ, कि उस सुसमाचार को छोड़ जिसे तुम ने ग्रहण किया है, यदि कोई और सुसमाचार सुनाता है, तो श्रापित हो।” (मूल पाठ में उद्धृत)। 2 कुरिन्थियों 11:4 (IRV) “यदि कोई तुम्हारे पास आकर, किसी दूसरे यीशु का प्रचार करे, जिसका प्रचार हमने नहीं किया या कोई और आत्मा तुम्हें मिले; जो पहले न मिला था; या और कोई सुसमाचार जिसे तुम ने पहले न माना था, तो तुम्हारा सहना ठीक होता।” 1 कुरिन्थियों 4:6 (IRV) “हे भाइयों, मैंने इन बातों में तुम्हारे लिये अपनी और अपुल्लोस की चर्चा दृष्टान्त की रीति पर की है, इसलिए कि तुम हमारे द्वारा यह सीखो, कि लिखे हुए से आगे न बढ़ना, और एक के पक्ष में और दूसरे के विरोध में गर्व न करना।” 1 कुरिन्थियों 15:1–4 (IRV) “हे भाइयों, मैं तुम्हें वही सुसमाचार बताता हूँ जो पहले सुना चुका हूँ, जिसे तुम ने अंगीकार भी किया था और जिसमें तुम स्थिर भी हो। उसी के द्वारा तुम्हारा उद्धार भी होता है, यदि उस सुसमाचार को जो मैंने तुम्हें सुनाया था स्मरण रखते हो; नहीं तो तुम्हारा विश्वास करना व्यर्थ हुआ। इसी कारण मैंने सबसे पहले तुम्हें वही बात पहुँचा दी, जो मुझे पहुँची थी, कि पवित्रशास्त्र के वचन के अनुसार यीशु मसीह हमारे पापों के लिये मर गया। और गाड़ा गया; और पवित्रशास्त्र के अनुसार तीसरे दिन जी भी उठा।” यहूदा 3 (IRV) “हे प्रियों, जब मैं तुम्हें उस उद्धार के विषय में लिखने में अत्यन्त परिश्रम से प्रयत्न कर रहा था, जिसमें हम सब सहभागी हैं; तो मैंने तुम्हें यह समझाना आवश्यक जाना कि उस विश्वास के लिये पूरा यत्न करो जो पवित्र लोगों को एक ही बार सौंपा गया था।” व्यवस्थाविवरण 4:2 (IRV) “जो आज्ञा मैं तुम को सुनाता हूँ उसमें न तो कुछ बढ़ाना, और न कुछ घटाना; तुम्हारे परमेश्वर यहोवा की जो-जो आज्ञा मैं तुम्हें सुनाता हूँ उन्हें तुम मानना” व्यवस्थाविवरण 12:32 (IRV) ““जितनी बातों की मैं तुम को आज्ञा देता हूँ उनको चौकस होकर माना करना; और न तो कुछ उनमें बढ़ाना और न उनमें से कुछ घटाना।” नीतिवचन 30:6 (IRV) “उसके वचनों में कुछ मत बढ़ा, ऐसा न हो कि वह तुझे डाँटे और तू झूठा ठहरे।” प्रकाशितवाक्य 22:18–19 (IRV) “मैं हर एक को, जो इस पुस्तक की भविष्यद्वाणी की बातें सुनता है, गवाही देता हूँ: यदि कोई मनुष्य इन बातों में कुछ बढ़ाए तो परमेश्वर उन विपत्तियों को जो इस पुस्तक में लिखी हैं, उस पर बढ़ाएगा। और यदि कोई इस भविष्यद्वाणी की पुस्तक की बातों में से कुछ निकाल डाले, तो परमेश्वर उस जीवन के पेड़ और पवित्र नगर में से, जिसका वर्णन इस पुस्तक में है, उसका भाग निकाल देगा।” इरेनियस, विधर्मों के विरुद्ध I.10.1–2: “जैसा मैं पहले कह चुका हूँ, कलीसिया ने इस प्रचार और इस विश्वास को ग्रहण करके, यद्यपि वह सारे संसार में बिखरी हुई है, फिर भी मानो एक ही घर में रहती हुई, उसे सावधानी से सुरक्षित रखती है। ... क्योंकि यद्यपि संसार की भाषाएँ भिन्न-भिन्न हैं, फिर भी परम्परा का आशय एक ही है।” (अंग्रेज़ी से अनूदित) III.1.1: “हमने अपने उद्धार की योजना और किसी से नहीं, केवल उन्हीं से सीखी है जिनके द्वारा सुसमाचार हम तक पहुँचा है...” (अंग्रेज़ी से अनूदित) तर्तुलियन, विधर्मियों के विरुद्ध आपत्ति 21 (ANF 3): “हर वह सिद्धांत जो प्रेरितिक कलीसियाओं से मेल खाता है—जो विश्वास के साँचे और मूल स्रोत हैं—सत्य माना जाना चाहिए...” (ANF 3 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) पॉलीकार्प, फिलिप्पियों के नाम 7: “इसलिए बहुतों की व्यर्थता और उनकी झूठी शिक्षाओं को छोड़कर, आओ, हम उस वचन की ओर लौटें जो आरम्भ से हमें सौंपा गया है...” (अंग्रेज़ी से अनूदित) लेरिन्स के विंसेंट, Commonitorium 8–9 (NPNF2 11), गलातियों 1:8 पर: “...प्रेरित ने अपने पद के अधिकार का प्रयोग करते हुए अत्यन्त कठोरता से अपना निर्णय सुनाया, ‘चाहे हम,’ वे कहते हैं, ‘या स्वर्ग से कोई दूत, उस सुसमाचार को छोड़ जो हमने तुम्हें सुनाया है, कोई और सुसमाचार तुम्हें सुनाए, तो वह श्रापित हो।’ ... इसलिए कैथोलिक मसीहियों को उस शिक्षा के अतिरिक्त, जो उन्होंने ग्रहण की है, कोई और शिक्षा सुनाना न कभी उचित था, न उचित है, न कभी उचित होगा; और जो लोग एक बार ग्रहण की गई बात के अतिरिक्त कुछ और सुनाते हैं, उन्हें श्रापित ठहराना सदा कर्तव्य था, सदा कर्तव्य है, और सदा कर्तव्य रहेगा।” (NPNF2 11 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

35 रोमियों 1:1 (IRV) "पौलुस की ओर से जो यीशु मसीह का दास है, और प्रेरित होने के लिये बुलाया गया, और परमेश्वर के उस सुसमाचार के लिये अलग किया गया है" गलातियों 1:10 (IRV) "अब मैं क्या मनुष्यों को मनाता हूँ या परमेश्वर को? क्या मैं मनुष्यों को प्रसन्न करना चाहता हूँ? यदि मैं अब तक मनुष्यों को ही प्रसन्न करता रहता, तो मसीह का दास न होता।" 2 कुरिन्थियों 4:5 (IRV) "क्योंकि हम अपने को नहीं, परन्तु मसीह यीशु को प्रचार करते हैं, कि वह प्रभु है; और उसके विषय में यह कहते हैं, कि हम यीशु के कारण तुम्हारे सेवक हैं।" प्रेरितों के काम 20:28 (IRV) "इसलिए अपनी और पूरे झुण्ड की देख-रेख करो; जिसमें पवित्र आत्मा ने तुम्हें अध्यक्ष ठहराया है कि तुम परमेश्वर की कलीसिया की रखवाली करो, जिसे उसने अपने लहू से मोल लिया है।"

36 1 कुरिन्थियों 1:12–13 (IRV) "...कोई तो अपने आपको "पौलुस का," कोई "अपुल्लोस का," कोई "कैफा का," कोई "मसीह का" कहता है। क्या मसीह बँट गया? क्या पौलुस तुम्हारे लिये क्रूस पर चढ़ाया गया? या तुम्हें पौलुस के नाम पर बपतिस्मा मिला?" 1 कुरिन्थियों 3:3–7 (IRV) "क्योंकि अब तक शारीरिक हो। इसलिए, कि जब तुम में ईर्ष्या और झगड़ा है, तो क्या तुम शारीरिक नहीं? और मनुष्य की रीति पर नहीं चलते? इसलिए कि जब एक कहता है, "मैं पौलुस का हूँ," और दूसरा, "मैं अपुल्लोस का हूँ," तो क्या तुम मनुष्य नहीं? अपुल्लोस कौन है? और पौलुस कौन है? केवल सेवक, जिनके द्वारा तुम लोगों ने विश्वास किया, जैसा हर एक को प्रभु ने दिया। मैंने लगाया, अपुल्लोस ने सींचा, परन्तु परमेश्वर ने बढ़ाया। इसलिए न तो लगानेवाला कुछ है, और न सींचनेवाला, परन्तु परमेश्वर जो बढ़ानेवाला है।" यूहन्ना 10:16 (IRV) "और मेरी और भी भेड़ें हैं, जो इस भेड़शाला की नहीं; मुझे उनका भी लाना अवश्य है, वे मेरा शब्द सुनेंगी; तब एक ही झुण्ड और एक ही चरवाहा होगा।" इफिसियों 2:14–19 (IRV) "क्योंकि वही हमारा मेल है, जिसने यहूदियों और अन्यजातियों को एक कर दिया और अलग करनेवाले दीवार को जो बीच में थी, ढा दिया। और अपने शरीर में बैर अर्थात् वह व्यवस्था जिसकी आज्ञाएँ विधियों की रीति पर थीं, मिटा दिया कि दोनों से अपने में एक नई जाति उत्पन्न करके मेल करा दे, और क्रूस पर बैर को नाश करके इसके द्वारा दोनों को एक देह बनाकर परमेश्वर से मिलाए। और उसने आकर तुम्हें जो दूर थे, और उन्हें जो निकट थे, दोनों को मेल-मिलाप का सुसमाचार सुनाया। क्योंकि उस ही के द्वारा हम दोनों की एक आत्मा में पिता के पास पहुँच होती है। इसलिए तुम अब परदेशी और मुसाफिर नहीं रहे, परन्तु पवित्र लोगों के संगी स्वदेशी और परमेश्वर के घराने के हो गए।" इफिसियों 4:4–6 (IRV) "एक ही देह है, और एक ही आत्मा; जैसे तुम्हें जो बुलाए गए थे अपने बुलाए जाने से एक ही आशा है। एक ही प्रभु है, एक ही विश्वास, एक ही बपतिस्मा, और सब का एक ही परमेश्वर और पिता है, जो सब के ऊपर और सब के मध्य में, और सब में है।" गलातियों 3:28 (IRV) "अब न कोई यहूदी रहा और न यूनानी; न कोई दास, न स्वतंत्र; न कोई नर, न नारी; क्योंकि तुम सब मसीह यीशु में एक हो।" कुलुस्सियों 3:11 (IRV) "उसमें न तो यूनानी रहा, न यहूदी, न खतना, न खतनारहित, न जंगली, न स्कूती, न दास और न स्वतंत्र केवल मसीह सब कुछ और सब में है।" 1 क्लेमेंट 47 (ANF 1): "उसने अपने विषय में, और कैफा और अपुल्लोस के विषय में तुम्हें लिखा, क्योंकि तब भी तुम्हारे बीच दल बन गए थे।" (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) इग्नेशियस, फिलाडेल्फियों के नाम 3: "क्योंकि जितने परमेश्वर के और यीशु मसीह के हैं, वे बिशप के साथ भी हैं।" (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) तर्तुलियन, विधर्मियों के विरुद्ध आपत्ति 20 (ANF 3): "कलीसियाएँ, यद्यपि वे इतनी अधिक और इतनी बड़ी हैं, फिर भी केवल उसी एक आदिम कलीसिया से बनी हैं, जो प्रेरितों के द्वारा (स्थापित हुई), और जिससे वे सब (निकली हैं)।" (ANF 3 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

37 1 कुरिन्थियों 14:40 (IRV) "पर सारी बातें सभ्यता और क्रमानुसार की जाएँ।" 1 कुरिन्थियों 14:33 (IRV) "क्योंकि परमेश्वर गड़बड़ी का नहीं, परन्तु शान्ति का कर्ता है; जैसा पवित्र लोगों की सब कलीसियाओं में है।" 1 कुरिन्थियों 12:28 (IRV) "और परमेश्वर ने कलीसिया में अलग-अलग व्यक्ति नियुक्त किए हैं; प्रथम प्रेरित, दूसरे भविष्यद्वक्ता, तीसरे शिक्षक, फिर सामर्थ्य के काम करनेवाले, फिर चंगा करनेवाले, और उपकार करनेवाले, और प्रधान, और नाना प्रकार की भाषा बोलनेवाले।" प्रेरितों के काम 6:1–6 (IRV) "उन दिनों में जब चेलों की संख्या बहुत बढ़ने लगी, तब यूनानी भाषा बोलनेवाले इब्रानियों पर कुड़कुड़ाने लगे, कि प्रतिदिन की सेवकाई में हमारी विधवाओं की सुधि नहीं ली जाती। तब उन बारहों ने चेलों की मण्डली को अपने पास बुलाकर कहा, "यह ठीक नहीं कि हम परमेश्वर का वचन छोड़कर खिलाने-पिलाने की सेवा में रहें। इसलिए हे भाइयों, अपने में से सात सुनाम पुरुषों को जो पवित्र आत्मा और बुद्धि से परिपूर्ण हो, चुन लो, कि हम उन्हें इस काम पर ठहरा दें। परन्तु हम तो प्रार्थना में और वचन की सेवा में लगे रहेंगे।" यह बात सारी मण्डली को अच्छी लगी, और उन्होंने स्तिफनुस नामक एक पुरुष को जो विश्वास और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण था, फिलिप्पुस, प्रुखुरुस, नीकानोर, तीमोन, परमिनास और अन्ताकिया वासी नीकुलाउस को जो यहूदी मत में आ गया था, चुन लिया। और इन्हें प्रेरितों के सामने खड़ा किया और उन्होंने प्रार्थना करके उन पर हाथ रखे।" तीतुस 1:5 (IRV) "मैं इसलिए तुझे क्रेते में छोड़ आया था, कि तू शेष रही हुई बातों को सुधारें, और मेरी आज्ञा के अनुसार

नगर-नगर प्राचीनों को नियुक्त करे।" 1 क्लेमेंट 40 (ANF 1): "बिना सोचे-समझे या अव्यवस्थित रूप से नहीं, वरन् ठहराए हुए समयों और घड़ियों पर।" (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

38 टिप्पणी 26 देखें।

39 1 तीमुथियुस 2:4 (IRV) "जो यह चाहता है, कि सब मनुष्यों का उद्धार हो; और वे सत्य को भली भाँति पहचान लें।" यूहन्ना 8:32 (IRV) "और सत्य को जानोगे, और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा।"" यूहन्ना 8:36 (IRV) "इसलिए यदि पुत्र तुम्हें स्वतंत्र करेगा, तो सचमुच तुम स्वतंत्र हो जाओगे।" यूहन्ना 14:6 (IRV) "यीशु ने उससे कहा, "मार्ग और सत्य और जीवन मैं ही हूँ; बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहुँच सकता।" यूहन्ना 17:17 (IRV) "सत्य के द्वारा उन्हें पवित्र कर: तेरा वचन सत्य है।" 2 तीमुथियुस 2:25 (IRV) "और विरोधियों को नम्रता से समझाए, क्या जाने परमेश्वर उन्हें मन फिराव का मन दे, कि वे भी सत्य को पहचानें।" इब्रानियों 10:26 (IRV) "क्योंकि सच्चाई की पहचान प्राप्त करने के बाद यदि हम जान बूझकर पाप करते रहें, तो पापों के लिये फिर कोई बलिदान बाकी नहीं।"

इस पृष्ठ पर हिंदी में उद्धृत सभी बाइबल-वचन इंडियन रिवाइज्ड वर्जन (IRV) हिंदी, 2019 से लिए गए हैं। कॉपीराइट © 2017, 2018, 2019 Bridge Connectivity Solutions; Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International (CC BY-SA 4.0) लाइसेंस के अंतर्गत। पाठ: ebible.org/hin2017। वचनों के अंश उद्धृत किए गए हैं; लोप-चिह्न (...) छोड़े गए अंश दर्शाते हैं। बाइबल के पाठ में कोई अन्य परिवर्तन नहीं किया गया है।